PART-A Introduction to कायचिकित्सा

- आयुर्वेद is a vast knowledge of आयु
- There are total 08 Branches in आयुर्वेद known as अष्टांग's.

- शल्य चिकित्सा — (Surgical Management)
- शालाक्य चिकित्सा — (ENT)
- काय चिकित्सा — (General Medicine)
- कौमार भृत्या — (Paediatrics)
- अगद तंत्र — (toxicology)
- भूत विद्या — (Psychiatry)
- रसायना — (Rejuvination)
- वाजी करण — (Aphrodisiacs).

Join us on Telegram M56 BOOK STORE
Join us on Telegram M56 BOOK STORE
Dr. Saransh Dwivedi, B.Sc BAMS

- कायचिकित्सा — काय + चिकित्सा
  (Knowledge collection) + (Treatment)

Scanned with OKEN Scanner

श्लोक – कायति शब्दायते इति कायः।
– चीयते अन्नादिभिरिति कायः।
Ref – अरुणदत्त

- Kaya (काय) word Refers :

– जाठराग्नि : ——— ① (digestive fire)
– देह : ——— ② (शरीर)
– मनस : ——— ③ (हृदय)/(soul)

- पर्याय of काय

– गात्रं ——— ①
– वपु ——— ②
– शरीर ——— ③
– वर्ष्म ——— ④
– विग्रह ——— ⑤
– देह ——— ⑥
– कलेवर ——— ⑦
– तनु ——— ⑧.

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा –

- चिकित्सा word derived from धातु
- Action to clear the व्याधि
- Bring Balance to शरीर
- Bring Balance to धातु
- Bring Balance to दोष

पर्याय of चिकित्सा

- चिकित्सित ——— (1)
- व्याधि हर ——— (2)
- पथ्य ——— (3)
- साधन ——— (4)
- औषध ——— (5)
- प्रायश्चित ——— (6)
- प्रशमन ——— (7)
- प्रकृति स्थापन ——— (8)
- हित ——— (9).

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Scanned with OKEN Scanner

- भेषज -

- भेषज रोग भयं जयतीति भेषजं ।
- Acc to श्लोक - conquers (defeat) the व्याधि's called भेषज

• Reference - चरक संहित / सुश्रुत संहित
काय चिकित्सा

• Classification -

- चिकित्सा
  - द्विविधा चिकित्सा — ①
  - त्रिविधा चिकित्सा — ②
  - पंचविधा चिकित्सा — ③
  - षट् विधा चिकित्सा — ④
  - सप्त विधा चिकित्सा — ⑤
  - दशाविधा चिकित्सा — ⑥
  - अष्टविध चिकित्सा — ⑦.

Scanned with OKEN Scanner

(1) द्विविधा चिकित्सा — व्याधिकर्म
— संतर्पण
— अपतर्पण > (1) चिकित्सा
— शमसमन
— शमशोधन > (2). चिकित्सा
— औजोकर
— रोगकर > (3) चिकित्सा
— द्रव्याभूता
— अद्रव्याभूता > (4) चिकित्सा

(2) त्रिविधा चिकित्सा — दैवव्यपाश्रय
— युक्ति व्यपाश्रय
— सत्वा वजय > (1)

बाह्य प्रकरण
आभ्यन्तर अप्रकरण > (1)
प्रकृति विघात — (2)
निदान परित्याग — (3)
(3).

— असुरी
— मानुषी
— दैवी > (2) चिकित्सा

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Scanned with OKEN Scanner

- अन्त परिमार्जन
- बही परिमार्जन → (3)
- शस्त्र परिधान

- हेतु विपरित
- व्याधि विपरित → (5)
- उभय प्रत्यानिक

(3) पंच विधा चिकित्सा -

- वमन — (1)
- विरेचन — (2)
- बस्ति — (3)
- नस्य — (4)
- रक्तमोक्षण — (5)

(4) षट् विधा चिकित्सा

- लंघन
- बृंहण
- रूक्षण
- स्नेहन
- स्वेदन
- स्तंभन

Scanned with OKEN Scanner

सप्त विधा चिकित्सा

- पाचन — ①
- दीपन — ②
- क्षुत — ③
- तृष्णा — ④
- व्यायाम — ⑤
- आतप — ⑥
- मारुत: — ⑦

दशविधा चिकित्सा

- वमन — ①
- विरेचन — ②
- निरूह: बस्ति — ③
- पिपासा — ④
- नस्यकर्म — ⑤
- वात सेवन — ⑥
- आतप सेवन — ⑦
- पाचन — ⑧
- उपवास — ⑨
- व्यायाम — ⑩

(Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Scanned with OKEN Scanner

अष्ट दशा चिकित्सा -

- हेतु विपरित
- व्याधि विपरित
- हेतु व्याधि विपरित
- हेतु विपरित अर्थकारी
- व्याधि विपरित अर्थकारी
- हेतु व्याधि उभय विपरित अर्थकारी

- हेतु विपरित
  - आहार — (1)
  - विहार — (2)
  - औषधि — (3)

- व्याधि विपरित
  - आहार — (1)
  - विहार — (2)
  - औषध — (3)

- हेतु व्याधि
  - आहार — (1)
  - विहार — (2)
  - औषध — (3).

④ हेतु विपरित अर्थकारी
- आहार — ①
- विहार — ②
- औषधि — ③

⑤ व्याधि विपरित अर्थकारी
- आहार — ①
- विहार — ②
- औषध — ③

⑥ हेतु व्याधि उभय विपरित अर्थकारी —
- आहार — ①
- विहार — ②
- औषध — ③.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

• चिकित्सा चतुष्पाद •

• चिकित्सा चतुष्पाद is directly co-relates with the Aspects of therapeutics.

• Factors –

- भिषक — (Physician) — ①
- द्रव्य — (Medicine) — ②
- उपस्था — (Attendant) — ③
- रोगी — (Patient) — ④

• Qualities factors –

- Qualities of भिषक — ①
- Qualities of Royal Pysician — ②
- Qualities of औषध — ③
- Qualities of उपस्था — ④
- Qualities of रोग — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

① Qualities of चिकित्सक –

- Excellent Medical Knowledge ———— ①
- Extensive Practical Knowledge ———— ②
- Quickness ———— ③
- Physical Ness. ———— ④
- Cleanliness. ———— ⑤
- शुद्ध मनस ———— ⑥

② Qualities of Royal Physician

- विज्ञान ———— ①
- Approach ———— ②
- Awareness ———— ③
- विद्या ———— ④
- Good Memory ———— ⑤
- स्मृति ———— ⑥
- Perseverance. ———— ⑦.

Scanned with OKEN Scanner

- Qualities of औषध्य द्रव्य

- बहुता — ①
- योग्यता — ②
- कल्पना — ③
- Good Potency — ④

- Qualities of उपस्था (Nurse)

- उपचारज्ञता — ①
- दाक्ष्य — ②
- अनुराग — ③
- शौच — ④
- शुद्ध मनस — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- Qualities of रोगी -

- Good स्मृती — ①
- obedience निर्देश — ②
- Mentally strong — ③
- expression Ability — ④.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

रोग-रोगी परिक्षा सिद्धान्त

- रोग-रोगी परिक्षा सिद्धान्त is directly co-related with the व्याधि and the Patient in accordance with the कायचिकित्सा

- Factors —
  - रोगी परिक्षा — ①
  - निदान पंचक's — ②
  - रोगी परिक्षा — ③

- रोगी परिक्षा Classification
  - द्विविध — ①
  - चतुर्विधा — ②
  - षड्विधा — ③ परिक्षा
  - अष्टस्थान — ④
  - दशाविधा — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

① रोगी परिक्षा — प्रकृति — ①
आतुर परिक्षा — विकृति — ②
— सार — ③
— संहनन — ④
— प्रमाण — ⑤
— सात्म्य — ⑥
— सत्वा — ⑦
— आहार शक्ति — ⑧
— व्यायाम शक्ति — ⑨
— वया — ⑩
— बल — ⑪

② द्विविधा परिक्षा — प्रत्यक्षा — ①
— स्पर्शना — ②
— प्र

③ चतुर्विधा परिक्षा — प्रत्यक्षा — ①
— अनुमान — ②
— आप्तोपदेश — ③
— युक्ति — ④

Scanned with OKEN Scanner

④ षड्विधा परिक्षा - चक्षु इन्द्रिया — ① रूप
- घ्राणेन्द्रिया — ② गन्ध
- श्रावणेन्द्रिया — ③ शब्द
- जिव्हा इन्द्रिया — ④ रस
- स्पर्श इन्द्रिया — ⑤ स्पर्श
- प्राशन परिक्षा — ⑥

⑤ अष्टस्थान परिक्षा -

- नाडी — ① (Pulse)
- मल — ② (stool)
- मूत्र — ③ (urine)
- जिव्हा — ④ (Tongue)
- शब्द — ⑤ (sound)
- स्पर्श — ⑥ (Touch)
- चक्षु — ⑦ (eye)
- आकृती — ⑧ (Built).

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

दशविधा परिक्षा

- प्रकृती — (1)
- विकृती — (2)
- सार — (3)
- संहना — (4)
- प्रमाण — (5)
- सात्म्य — (6)
- सत्व — (7)
- आहार शक्ति — (8)
- व्यायाम शक्ति — (9)
- वय — (10)

○ **Benefits** –

- Proper diagnosis — (1)
- Proper Assessment — (2)
- Proper Prognosis — (3)
- Proper Planning — (4)
- Proper treatment — (5)

Scanned with OKEN Scanner

षट् क्रिया काल

- षट् क्रिया काल is directly co-relates with the 06 stages of व्याधि

- Ref - कायचिकित्सा / क्रिया शरीर

- क्रियाकाल – क्रिया – Action —— ①
  – काल – Time —— ②

- Acc to सुश्रुत जी = 06 क्रियाकाल

- संचय —— ①
- प्रकोप —— ②
- प्रसर —— ③
- स्थान संश्रय —— ④
- व्यक्ति —— ⑤
- भेद —— ⑥

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- संचय → Accumulation
- प्रकोप → Aggravation
- प्रसर → Spreading
- स्थान संश्रय → Localization
- व्यक्ति – Manifestation
- भेद – Differentiation

Scanned with OKEN Scanner

• श्लोक – संचय च प्रकोप च प्रसरं स्थानसंश्रयम्
व्यक्ति भेदं च कोमाणां षड्क्रियाकाल
इति

- संचय
- प्रकोप
- प्रसर

] स्वगुण्य — ①

- स्थानसंश्रय
- व्यक्ति
- भेद

] स्रोतोदुष्टि — ②

① संचय –

Causes of संचय

- वातसंचय – ①
- पित्त संचय – ②
- कफ संचय – ③.

कालस्वाभाव
- Diurnal
- Seasonal

त्रिविध हेतु
- असात्मेन्द्रियाँ
- प्रज्ञापराधा
- परिणाम

- स्तब्धत
- अंगगौ
- yellow col
- उष्ण

Scanned with OKEN Scanner

② प्रकोप – वात प्रकोप — ①
– पित्त प्रकोप — ②
– कफ प्रकोप — ③

– वात प्रकोप – अति आहार सेवन — ①
– रात्री जागरण — ②
– अति व्यायाम — ③
– excessive Indulge in sex — ④

– पित्त प्रकोप – अति / कटु आहार सेवन
– भय
– चिंता
– क्रोध
– ऋतु-चर्या disturbed.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

– कफ प्रकोप – अति आहार सेवन
– दिवास्वाप
– अजीर्ण
– मधुर आहार
– अम्ल आहार

Scanned with OKEN Scanner

(3) प्रसर – वात प्रसर – (1)
– पित्त प्रसर – (2)
– कफ प्रसर – (3)

– वात – दाह
– अंगमर्द
– छर्दी
– तन्द्रा
– निद्रा

– पित्त – भ्रमः
– क्लमः
– पाण्डु
– क्षय

– कफ – छर्दी
– श्वास
– कास
– तन्द्रा
– निद्रा

(4) स्थान संश्रय – खवैगुण्य
– दोष दुष्य
– आरम्भी

Scanned with OKEN Scanner

⑤ व्यक्ति — stage of manifestation
— Proper diagnosis.
— स्रोतस दुष्टि clearup.

⑥ भेद — complications.
— निदान अर्थ व्याधि — ①
— प्रतिक्रिया — ②
— साध्य/असाध्यता — ③
— विकार's. — ④.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

A/c to ऋतु चर्या —

दोष	संचय	प्रकोप	प्रसर
वात →	ग्रीष्म	वर्षा	शरद
पित्त →	वर्षा	शरद	हेमन्त
कफ →	शिशिर	हेमन्त	ग्रीष्म

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

वृद्धि - क्षय of दोष, धातु and मल

- दोष वृद्धि and क्षय -

- दोष अवस्था -

- 03 stages of दोष's -

- वृद्धि — increases. —— ①
- क्षय — decreases. —— ②
- सम — Normal —— ③

- दोष वृद्धि - क्षय कारण

- सामान्य - वृद्धि —— ①
- विशेष - क्षय —— ②
- भाव's - द्रव्य, गुण, कर्म —— ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

① वात वृद्धि – आहार — ①
विहार — ②
मानसिक — ③

– आहार – कटु तिक्त, कषाय आहार — ①
– लघु आहार — ②
– शीत वीर्य — ③
– विषम आशन — ④
– अध्याशन — ⑤

– विहार – अति व्यायाम
– लंघन
– रात्री जागरण
– वेग धारण
– प्लवना (swimming)
– अति चालन

– मानसिक – शोक — ①
– चिंता — ②
– भय — ③
– क्रोध — ④
– लोभ — ⑤
– ग्लानि — ⑥.

– निद्रानाश
– मोह
– शोक
– प्रलाप
– अंगमर्द
– गात्रकंप
– कार्श्य
– संज्ञानाश
– बलउपघात
– इन्द्रियउप

② वात क्षय -

- अंगमर्द — ①
- अल्प भाषिते — ②
- श्लेष्म वृद्धि युक्त आमय — ③
- संज्ञा मोह हस्त — ④
- अंगस्य साद — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

चिकित्सा - वात वृद्धि

- स्नेहन — ①
- स्वेदन — ②
- निरूह बस्ति — ③
- धूमपान — ④
- शिरोबस्ति — ⑤
- अभ्यंग — ⑥
- मार्दव — ⑦.

वात क्षय

- वातकर आहार
- कटु रस
- तिक्त रस
- कषाय
- लघु आहार
- शीत आहार
- रूक्ष आहार

Scanned with OKEN Scanner

२ पित्त –

- पित्त वृद्धि – विट् मूत्र – ①
  – विट् नेत्र – ②
  – विट् त्वक् – ③
  – अल्प निद्रा – ④

दाह
तृष्णा
मूर्छा
अल्प निद्रा
क्रोध
बलहानि

- पित्त क्षय – अल्प अग्नि – ①
  – शीत प्रभा – ②
  – प्रभा हानि – ③

- पित्त चिकित्सा –

- पित्त वृद्धि – विरेचन – ①
  – रक्तमोक्षण – ②
  – अंजन – ③
  – शीत आहार – ④.

- पित्त क्षय – कटु आहार – ①
  – अम्ल आहार – ②
  – लवण आहार – ③
  – उष्ण वीर्य – ④

Scanned with OKEN Scanner

- कफ -

- कफ वृद्धि -
  - आहार — ①
  - विहार — ②
  - मानसिक — ③

- अति प्रसेक — ①
- आलस्य — ②
- गौरव — ③
- श्वास — ④
- कास — ⑤
- अति निद्रता — ⑥

- कफ क्षय -
  - भय — ①
  - अनिद्रा — ②
  - अंगमर्द — ③
  - तोद — ④
  - दाह — ⑤
  - स्फोटन — ⑥.

- चिकित्सा -
  - स्वेदन — ① उपवर्तन — ⑤
  - वमन — ②
  - विरेचन — ③
  - व्यायाम — ④

← वृद्धि

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- कफ क्षय चिकित्सा -

- कफकर आहार's —— ①
- स्निग्ध आहार's —— ②
- मधुर आहार's —— ③
- good निद्रा —— ④.

Scanned with OKEN Scanner

धातु वृद्धि and क्षय -

- रस धातु - वृद्धि
  - अग्निमान्द्य
  - गौरव
  - आलस्य
  - कास
  - श्वास

- क्षय
  - ह्रदय पीडा
  - ग्लानि
  - क्लम
  - श्रमः
  - तृष्णा
  - शोष
  - शब्द असहिष्णुता

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- रक्त धातु - वृद्धि
  - कुष्ठ — (1)
  - रक्तपित्त — (2)
  - कामल — (3)
  - विद्रधी — (4)
  - प्लीह वृद्धि — (5)
  - मूर्च्छा — (6)

— क्षय — त्वक् रूक्षता — ①
— अग्नि मान्द्य — ②
— भ्रम — ③
— तृष्णा — ④
— पाण्डु — ⑤
— दौर्बल्य — ⑥

③ मांस — वृद्धि — गुरुगात्रता — ①
— अर्बुद — ②
— अर्श — ③
— ओष्ठो प्रकोप — ④
— बहुलता — ⑤

क्षय
क्लमः
श्रमः
संधि स्
— तोद
— वक्षा
— ग्रीव

④ मेद — वृद्धि — कास — ①
— श्वास — ②
— पिपासा — ③
— दुर्गन्धता — ④
— प्रमेह — ⑤
— अर्बुद — ⑥

क्षय
— रूक्षता
— ग्लानि
— श्रमः
— संधि स्फु

Scanned with OKEN Scanner

5) अस्थि — वृद्धि — अधि दन्त
— Growth of नख:
— अध्यास्थि

— क्षय — अस्थि शूल: — 1
— संधि शूल: — 2
— लोम — 3
— नख — 4
— श्रम: — 5

6) मज्जा — वृद्धि — गौरव — 1
— भ्रम: — 2
— मूर्छा — 3
— ulcers — 4

— क्षय — अल्प शुक्र — 1
— तिमिर — 2
— भ्रम — 3
— श्रम: — 4
— तन्द्रा — 5

Dr. Saransh Dwivedi.
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

(7) शुक्र – वृद्धि – अश्मरी
– excess शुक्र
– स्वप्न दोष
– desire ↑.

क्षय – दौर्बल्य – (1)
– अंगमर्द – (2)
– पाण्डु – (3)
– कालिन्य – (4)
– श्रमः – (5)
– तन्द्रा – (6).

- चिकित्सा सूत्र –
  - रसायन चिकित्सा – (1)
  - संशोधन चिकित्सा – (2)
  - शमशमन चिकित्सा – (3)
  - रस जन्य चिकित्सा – (4).

- उपधातु
  - स्तन्य
  - आर्तव
  - कण्डरा
  - सिर
  - स्नायु

Scanned with OKEN Scanner

मल वृद्धि and क्षय

- मूत्र — ①
- पुरीष — ②
- स्वेद — ③

मूत्र वृद्धि –
- micturition ↑ — ①
- बस्ति शूल: — ②
- आध्मान — ③

मूत्र क्षय –
- बस्ति तोद — ①
- मूत्र कृच्छ्र — ②
- अति तृष्णा — ③
- मूत्र वैवर्ण्य — ④

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

पुरीष वृद्धि – वृद्धि –
- आटोप — ①
- आध्मान — ②
- बस्ति शूल: — ③
- gurgling sound — ④

Scanned with OKEN Scanner

- स्वेद वृद्धि -

- दौर्गन्ध्य
- त्वक् गन्ध
- कण्डू
- अति स्वेद
- हर्ष

- पुरीष क्षय

- उदर कूजन
- वात चल
- बस्ति शूल
- मुख मानता

- क्षय - स्तब्धता — 1
- रूक्षता — 2
- स्फुटना — 3
- वैवर्ण्य — 4

- वृद्धि चिकित्सा -

- विरेचन — 1
- द्रव्या — 2
- मूत्राल औषध — 3
- पित्त शामक द्रव्य — 4

क्षय चिकित्सा

- माष — 1
- यव — 2
- धान्याम्ल —
- स्वेदकर द्रव्य —
- अभ्यंग —
- स्वेदन —

Ten supporting Factors

- A Physician should consider 10 factors —

- दोष — (1)
- दूष्य — (2)
- बल — (3)
- काल — (4)
- अग्नि — (5)
- प्रकृति — (6)
- वय — (7)
- सत्व — (8)
- सात्म्य — (9)
- देश — (10)
- ~~आहार~~

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

(1) दोष — वात दोष — (1)
— पित्त दोष — (2)
— कफ दोष — (3)

— दोष वृद्धि — (4)
— दोष क्षय — (5)
— दोष सम — (6)

Scanned with OKEN Scanner

- द्रव्य - धातु — 1
  - अधातु — 2
  - मल — 3

- धातु - रस — 1
  - रक्त — 2
  - मांस — 3
  - मेद — 4
  - अस्थि — 5
  - मज्जा — 6
  - शुक्र — 7

- उपधातु - स्तन्य — 1
  - आर्तव — 2
  - कण्डरा — 3
  - सिरा — 4
  - स्नायु — 5

- मल - मूत्र — 1
  - स्वेद — 2
  - मल — 3

Scanned with OKEN Scanner

③ बल - सहज बल — ①
- कालज बल — ②
- युक्तिकृत बल — ③

④ काल - प्रातः काल
- सांय काल
- अवस्था काल

⑤ अग्नि - जाठराग्नि is of 04 types -
- समाग्नि — ①
- मन्दाग्नि — ②
- तीक्ष्णाग्नि — ③
- विषमाग्नि — ④

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

⑥. प्रकृति - वात प्रकृति — ①
- पित्त प्रकृति — ②
- कफ प्रकृति — ③
- वात पित्त — ④
- पित्त कफ — ⑤
- वात कफ — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

(7) वय — बाल्य — 0-30 yrs — (1)
— मध्यम — 30-60 yrs — (2)
— वृद्ध or जीर्ण — 60-100 yrs — (3)

(8) सत्व — सत्व बल — 03 types.
— प्रवर बल — (1)
— मध्यम बल — (2)
— अवर बल — (3)

(9) सात्म्य — देश सात्म्य — (1)
— काल सात्म्य — (2)
— जाती सात्म्य — (3)
— ऋतु सात्म्य — (4)
— रोग सात्म्य — (5)

(10) देश — अनुप देश — (1)
— जांगल देश — (2)
— साधारण देश — (3).

Scanned with OKEN Scanner

व्याधि classifications

- व्याधि classification based on the type of causative factors -

- Factors -

- निज —— ①
- आगन्तुज —— ②
- मानस —— ③

- A/c to सुश्रुत संहिता — 03 types.

- आध्यात्मिका —— ①
- आधि भौतिका —— ②
- आधि दैविका —— ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

- A/c to चरक संहिता — 03 types.

- सौम्य —— ①
- आग्नेय —— ②
- वायव्य —— ③

Scanned with OKEN Scanner

काश्यप - According to कश्यप

- साध्य व्याधि — ①
- याप्य व्याधि — ②
- असाध्य व्याधि — ③

07 types of व्याधि -

- आदिबल प्रवृत्ति — ①
- जन्मबल प्रवृत्ति — ②
- दोषबल प्रवृत्ति — ③
- संघातबल प्रवृत्ति — ④
- कालबल प्रवृत्ति — ⑤
- दैवबल प्रवृत्ति — ⑥
- स्वभावबल प्रवृत्ति — ⑦

व्याधि 3

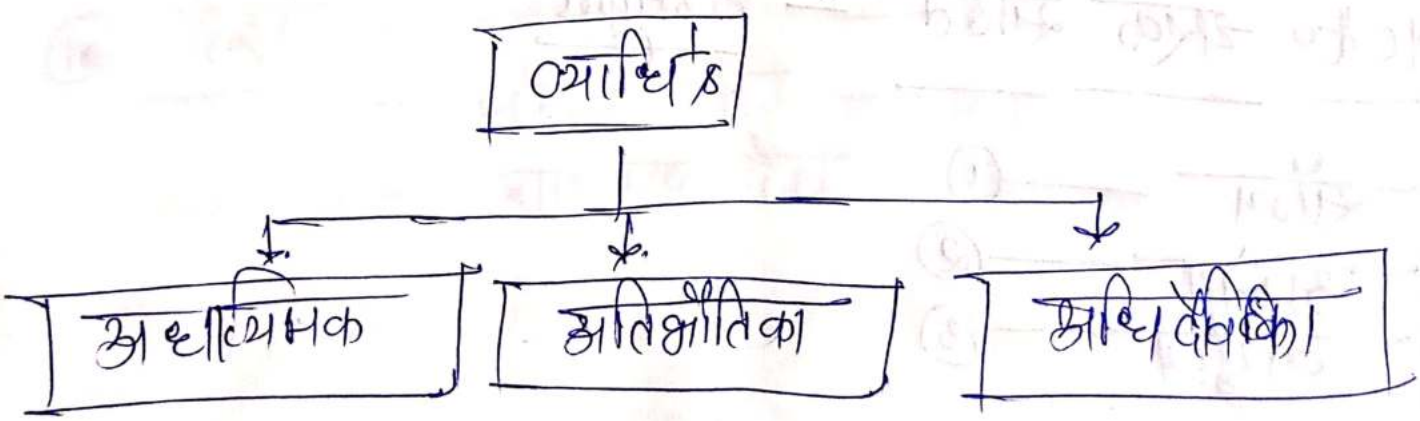

1. अध्यात्मिक
2. आतिभौतिक
3. आधिदैविक

सामान्यज and नानात्मज व्याधि

- सामान्यज व्याधि - Disease caused by a combination two or three doshas

- नानात्मज व्याधि - Diseases caused due to single and specific dosha.

- Reference - सूत्रस्थान चरक संहिता - 20th chapter.

- सामान्यज व्याधि -

  - 08 types - उदर रोग's
    - मूत्र घात
    - क्षीर दोष
    - वीर्य विकार's

  - 07 types - कुष्ठ
    - प्रमेह
    - विसर्प

  - 06 types - अतिसार
    - उदावर्त

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- 08 types - गुल्म
  - प्रमेह
  - कास
  - हिक्क
  - तृष्णा
  - छर्दि
  - अरुची
  - शिरोरोग
  - हृदय रोग
  - पाण्डु रोग

- 03 types
  - शोथः
  - किलास
  - रक्तपित्त

- 07 types
  - ज्वर
  - व्रण
  - मूत्राघात
  - कामल
  - आम
  - वातरक्त
  - अर्श

- 09 types - नेत्ररोग
  - कर्णरोग
  - प्रतिश्याय
  - मूत्र रोग
  - ग्रहणी रोग
  - मूर्छा
  - शोष
  - नपुंसकता

- 01 types
  - कफस्तम्भः
  - सन्यास
  - महामद

② नानात्मज व्याधि — Total 80 types of व्याधि

- Some of them are as follows :-

वात व्याधि

- नखः भेद — ①
- पाद शूल — ②
- विपादीक — ③
- पाद भ्रंशः — ④
- गृध्रसी — ⑤
- जानु भेद — ⑥
- ऊरुस्तम्भ — ⑦
- गुद भ्रंश — ⑧
- हनु भेद — ⑨
- ओष्ठ भेद — ⑩
- दन्त भेद — ⑪
- मन्या स्तम्भ — ⑫
- ग्रीव स्तम्भ — ⑬
- कर्ण शूल — ⑭
- दन्त भेद — ⑮
- तम — ⑯
- भ्रम — ⑰
- हिक्क — ⑱.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

② पित्त व्याधि = Total 40 in Numbers.

- दाह: — ①
- दवाथु — ②
- अन्तर दाह: — ③
- अंस दाह: — ④
- अति स्वेद — ⑤
- अंग गन्ध — ⑥
- मांस क्लेद — ⑦
- त्वक् दाह: — ⑧
- चर्मदल — ⑨
- रक्त पित्त — ⑩

③ कफ व्याधि - Total 20 In Numbers

- तन्द्रा — ①
- आलस्य — ②
- गुरु गात्रता — ③
- बलासक — ④
- अति स्थौल्य — ⑤
- उदर — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

○ चिकित्सा

- स्वेदन —— ①
- स्नेहन —— ②
- Massage theraphy —— ③
- Diet theraphy —— ④
- रस जन्य चिकित्सा —— ⑤
- औषध रसायना —— ⑥

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

ओजस

- ऊर्जा बल प्राण — बल — प्राण
- ओजस is responsible for strength and stability of Body.
- Factors –
  - Pure essence — ①
  - धातु's — ②
  - घृत — ③
  - बल — ④
  - वर्ण — ⑤
  - ओजस — ⑥

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- गुणs –
  - गुरु — ①
  - शीत — ②
  - मृदु — ③
  - श्लक्ष्ण — ④
  - बल — ⑤
  - मधुर — ⑥
  - स्थिर — ⑦
  - प्रसन्न — ⑧
  - पिच्छिल — ⑨
  - स्निग्ध — ⑩
  - स्मृति — ⑪.

Scanned with OKEN Scanner

- Classification of ओजस -

- Two types

ओजस < परा ओजस — (1), अपरा ओजस — (2)

✓ परा ओजस - Intra-uterine life
- 08 बिन्दु
- हृदय location

✓ अपरा ओजस - श्वेत origin
- ½ अंजली
- मधुर रस
- सर्व शरीर Location

- Functions - बल — (1)
- वर्ण — (2)
- अपचय — (3)
- उत्साह — (4)
- हर्ष — (5)
- लोभ — (6)
- बल वृद्धि — (7)
- स्मृति — (8)

Scanned with OKEN Scanner

व्याधिक्षमत्व -

- त्रिविध बलमिति - सहजं कालजं युक्तिकृतं च।

- सहज बल — ①
- कालज बल — ②
- युक्तिकृत बल — ③

- सहज बल - Innate — ①
  - Natural strength — ②
  - exist from Birth itself — ③

- कालज बल - Influenced by seasonal traits — ① ②
  - Age of Person — ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

- युक्ति कृत बल - Through Planning — ①
  - Appropriate Nutrition — ②
  - Physical Exercise. — ③

Scanned with OKEN Scanner

ओजस दोष

03 Abnormalities

- ओजो विस्रंस — ①
- ओजो व्यापत — ②
- ओजो क्षय — ③

① ओजो विस्रंस

- Joints Loosens — ①
- weakness — ②
- Displacement — ③
- Impairment — ④

② ओजो व्यापत

- Stiffness — स्तब्धता — ①
- गुरुगात्रता — ②
- शोथ — ③
- वैवर्ण्य — ④
- श्रम: — ⑤
- अतिनिद्रा — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

- ओजो क्षय -

— Fainting (मूर्छा) — ①
— मांस क्षय — ②
— unconsciousness — ③
— Death (मृत्यु) — ④
— Delerium — ⑤
— अभिघात — ⑥
— शोक — ⑦
— कोप / क्रोध — ⑧.

- चिकित्सा -

— निदान परिवर्जन — ①
— हृदय औषध्य — ②
— रस जनन चिकित्सा — ③
— दोषहर चिकित्सा — ④
— ओजो वर्धक चिकित्सा — ⑤
— विशेष रसायन चिकित्सा — ⑥.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

आम - सम and निराम अवस्था

- आम is directly co-relates with the toxification in the body.
- Relation b/w आम and अग्नि
- 13 types of अग्नि are as follows :-

- जाठराग्नि — ①
- भूताग्नि — ②
- धात्वाग्नि — ③
-

① जाठराग्नि
- समा अग्नि — ①
- मन्द अग्नि — ②
- तीक्ष्ण अग्नि — ③
- विषम अग्नि — ④

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

② भूताग्नि
- आकाश अग्नि — ①
- वायु अग्नि — ②
- आग्नेय अग्नि — ③
- आप्य अग्नि — ④
- भूमाग्नि — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

(3) धात्वाग्नि – रस — (1)
– रक्त — (2)
– मांस — (3)
– मेद — (4)
– अस्थि — (5)
– मज्जा — (6)
– शुक्र — (7)

} अग्नि

- Causative factors of आम –

– आहार factors – अति आहार सेवन — (1)
– उपवास — (2)
– अजीर्ण — (3)
– असात्म्य — (4)
– विरुद्ध आहार — (5)

– विहार factors – वेग धारण — (1)
– दिवास्वप्न — (2)
– आलस्य — (3)
– अति व्यायाम — (4)
– अति विरेचन — (5)
– अति स्नेपान — (6).

Scanned with OKEN Scanner

Types of आम –

- आम is of two types –
  - अल्प – ①
  - मध्यम – ②
  - प्रभूता – ③
- साम अवस्था – ①
- निराम अवस्था – ②

① – आमविष
② – अजीर्ण आहार
③ – अपक्व अन्नरस
– अजीर्ण ④

- साम अवस्था – आम अवस्था is in Normal stage
  - Equilibrium stage
- निराम अवस्था – आम अवस्था is in आम विष form type.
  - Not properly digest.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

गुण's of आम

- द्रव – ①
- गुरु – ②
- स्निग्ध – ③
- पिच्छिल – ④
- अनेक वर्ण – ⑤
- अविपाक – ⑥
- अश्रुकारी – ⑦
- असम्युक्त – ⑧

Scanned with OKEN Scanner

Diagram -

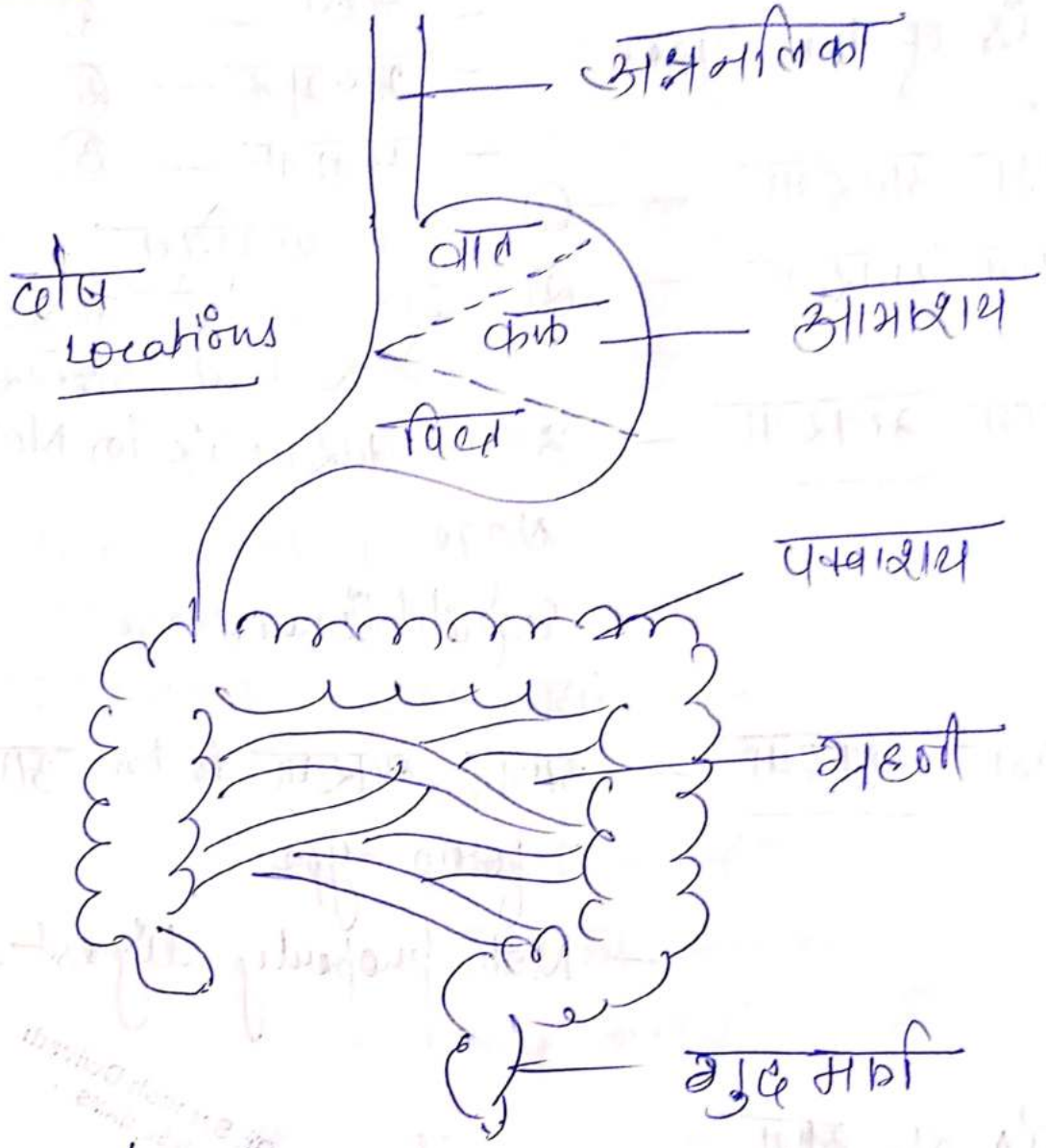

- Effects / causes.

- आलस्य — ①
- अरूची — ②
- तन्द्रा — ③
- अजीर्ण — ④
- छर्दी — ⑤
- श्वास — ⑥
- कास — ⑦
- क्लम — ⑧
- बल भ्रंश — ⑨
- मल संघ — ⑩
- स्त्रोतो अवरोध — ⑪
- weakness. — ⑫

Scanned with OKEN Scanner

Chart

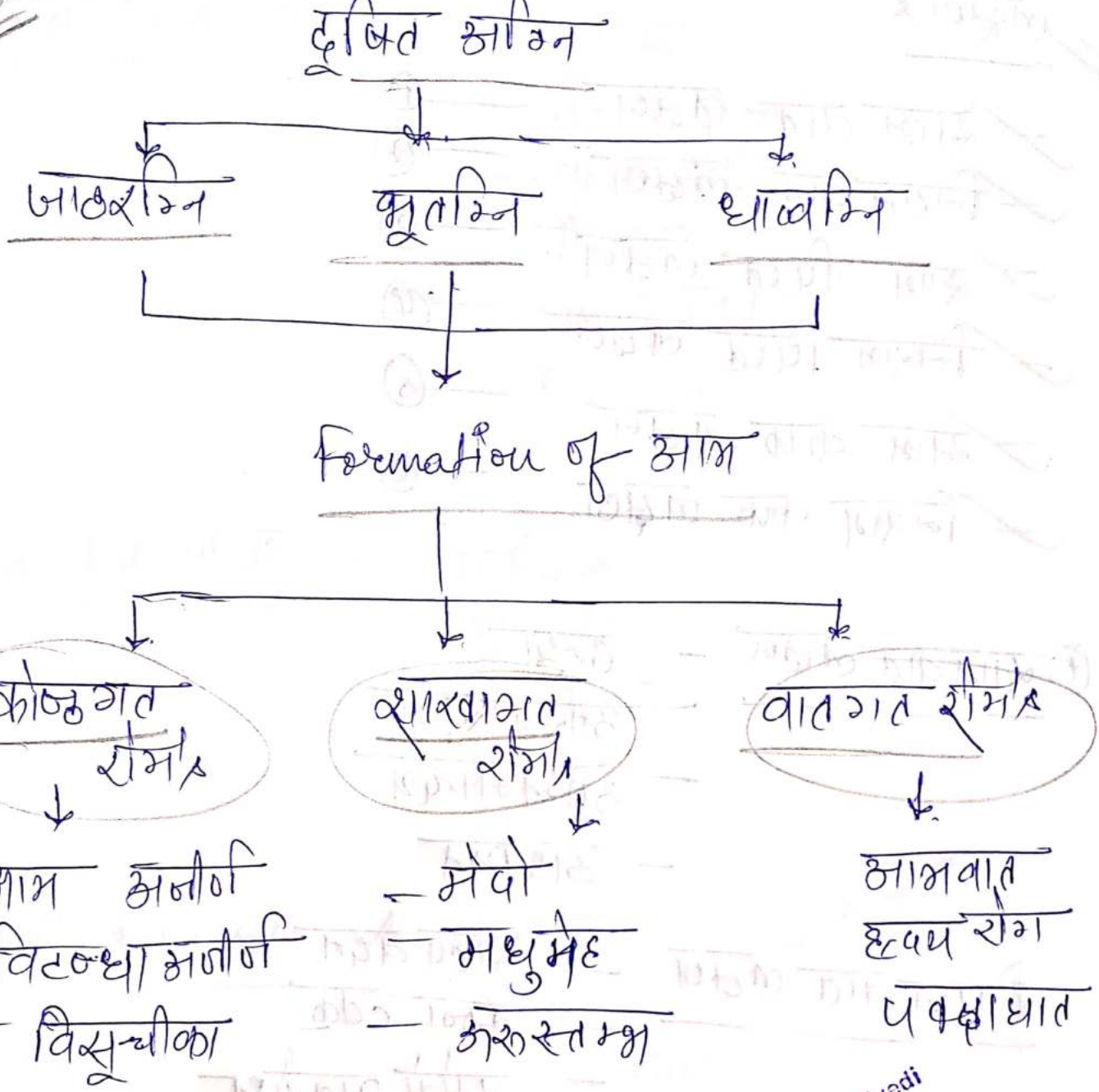

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

लक्षण :

- साम वात लक्षण — ①
- निराम वात लक्षण — ②
- साम पित्त लक्षण — ③
- निराम पित्त लक्षण — ④
- साम कफ लक्षण — ⑤
- निराम कफ लक्षण — ⑥

① साम वात लक्षण
- तन्द्रा
- अस्थि संधि
- अग्निमान्द्य
- आध्मान

निराम वात लक्षण
- अल्प वेदना
- कृष्ण त्वक
- स्रोतो अवरोध

② साम पित्त लक्षण
- दुर्गन्ध
- शुक्लता
- स्थिरता
- अम्ल उत्पत्ति

Scanned with OKEN Scanner

निराम पित्त लक्षण's – अस्थिर
– taste good
– good अग्नि
– तीक्ष्ण
– No दुर्गन्ध
– कटु रस

3) साम कफ लक्षण – पिच्छिल
– उद्गार
– तन्द्रा / मना
– स्तम्भ

निराम कफ लक्षण – फेनभूत
– विशद
– मधुर रस
– No दुर्गन्ध
– whitish colour

Dr. Saransh Dwivedi,
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा –

  - लंघन
  - स्वेदन
  - विरेचन
  - वमन
  - निरूह बस्ति
  - पेय

- रस – अग्नि तुण्डी रस — ①
  - अग्नि कुमार रस — ②
  - अग्नि सन्दीपन रस — ③

- चूर्ण – पंचकोल चूर्ण

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा

- रोग अनुत्पत्तिकर चिकित्सा
- रोग प्रशमन चिकित्सा
- दोष उपक्रम
- स्थानान्तर दोष / कोष्ठ स्थानान्तर
- दोष गति

① रोग अनुत्पत्तिकर चिकित्सा –

- रोग अनुत्पत्तिकर चिकित्सा is directly co-relates with the Preventive treatment.

- Main Purpose – Maintain health — ①
  – Cure the व्याधि — ②

- Factors – स्वास्थ वृत्त — ① S
  – सद्वृत्त — ② S
  – रसायन — ③ R
  – वाजीकरण — ④ V

- चिकित्सा – शमन — ①
  – शोधन — ②.

Dr. Saransh Dwivedi
- B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

① स्वास्थ वृत्त — दिनचर्या ——①
— ऋतुचर्या ——② रात्रीचर्या
— रसायना ——③
— ऋतुचर्या ——④

② सद्वृत्त — योग ——①
— ध्यान ——②
— प्रधान ——③
— मनसः ——④
— स्वास्थ

③ रसायन — नैमित्तिक रसायन ——①
— च्यवनप्राश ——②
— अश्वगन्धा रसायना ——③
— काम्य रसायना ——④

① स्वास्थवृत्त — दिनचर्या — ब्रह्म मुहूर्त ——①
— दन्त धावन ——②
— व्यायाम ——③
— अभ्यंग ——④
— स्नान ——⑤
— Prayer (प्रार्थना)
— आहार intake

Scanned with OKEN Scanner

- रात्रीचर्या – विरुद्ध आहार — ①
  - Avoid Sexual Intercourse — ②
  - भोजन – 7 to 8 pm — ③
  - रात्रीजागरण Avoid. — ④
  - अभ्यंग — ⑤
  - अल्पनिद्रा — ⑥

- ऋतुचर्या – षड् ऋतु's
  - आदान काल — ①
  - विसर्ग काल — ②

- आदान काल – S – शिशिर — ①
  - V – वसन्त — ②
  - G. – ग्रीष्म — ③
- विसर्ग काल – V – वर्षा — ①
  - S – शरद — ②
  - H – हेमन्त — ③

] 06.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

सद्वृत्त — Ethical Regimen

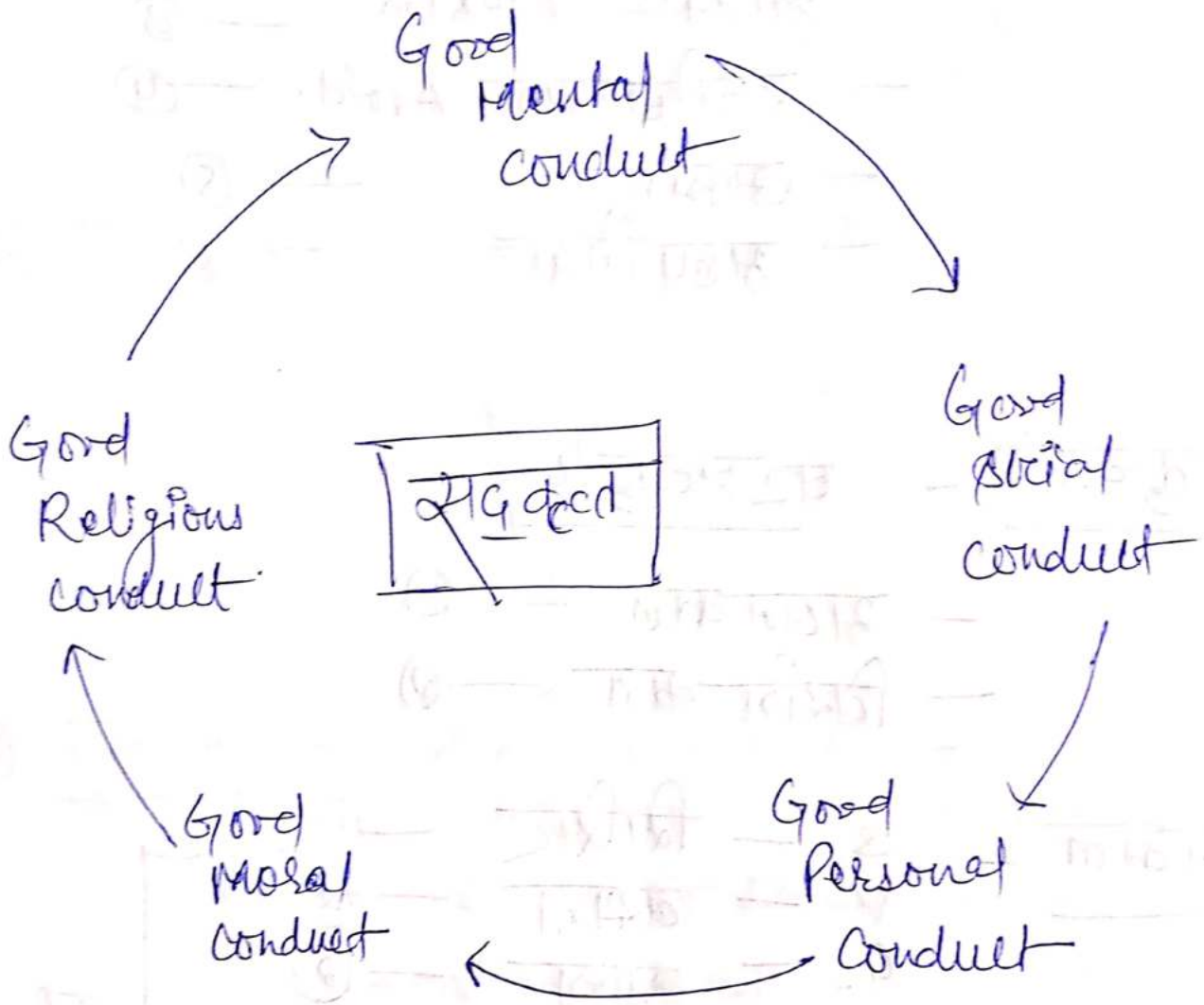

रसायन — अश्वगन्धा

- दीर्घ आयु — ①
- बल — ②
- वर्ण — ③
- हर्ष — ④
- उत्साह — ⑤
- व्याधिनाशक — ⑥
- बुद्धि वर्धक — ⑦.

Scanned with OKEN Scanner

रोग प्रशमन चिकित्सा

- दोष प्रत्यानिक चिकित्सा — ①
- व्याधि प्रत्यानिक चिकित्सा — ②
- दोष-व्याधि प्रत्यानिक चिकित्सा — ③.

① दोष प्रत्यानिक चिकित्सा

- निदान परिमार्जन — ①
- शोधन — ②
- शमन — ③
- स्रोतो शोधन — ④
- अग्नि संधुक्ष — ⑤
- दोष शोधन — ⑥

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

② व्याधि प्रत्यानिक चिकित्सा

- दैव व्यपाश्रय चिकित्सा — ①
- सत्व चिकित्सा — ②
- शल्य चिकित्सा — ③
- समशमन चिकित्सा — ④.

Scanned with OKEN Scanner

③ दोष व्याधि स्थानिक चिकित्सा।

- Depend upon stage of चिकित्सा काल

- संचय → हेतु विपरीत —
- प्रकोप → हेतु विपरीत —
- प्रसार → हेतु विपरीत —
- स्थान संश्रय → दोष and दूष्य चिकित्सा
- व्यक्ति → व्याधि विशेष चिकित्सा
- भेद → specific चिकित्सा

• दोष उपक्रम — Bringing दोष to Balanced sta[te] is known as उपक्रम।

Ref — चरक संहिता

- Types — वात उपक्रम — ①
  - पित्त उपक्रम — ②
  - कफ उपक्रम — ③.

① — वात उपक्रम चिकित्सा —

— मधुर द्रव्या
— अम्ल द्रव्या
— लवण द्रव्या
— स्निग्ध द्रव्या
— उष्ण गुण द्रव्या

— स्नेहन
— स्वेदन
— बस्ति
— वातहर द्रव्यो
— अभ्यंगा
— परिषेक

② — पित्त उपक्रम

— मधुर द्रव्या — ①
— कटु द्रव्या — ②
— तीक्ष्ण द्रव्या — ③
— कषाय रस द्रव्या — ④

— स्नेहन — प्रदेह
— विरेचन
— परिषेक
— अभ्यंगा

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

③ कफ उपक्रम चिकित्सा –

- कटु द्रव्य — ①
- तिक्त द्रव्य — ②
- कषाय रस — ③
- तीक्ष्ण गुण द्रव्य — ④
- उष्ण गुण द्रव्य — ⑤
- शोधन — स्नेहन
  - स्वेदन
  - कफहर द्रव्य
  - व्यायाम

• स्थानन्तर दोष •

- Location of दोष — ①
- Spreadness of दोष — ②
- Movements of दोष — ③

• Factors —

- Improper व्यायाम — ①
- विरुद्ध आहार सेवन — ②
- ऊष्मा — ③
- अपथ्य सेवन — ④
- वात गति vitiated — ⑤
- स्त्रोतो अवरोध — ⑥.

• Two Major types —

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- आशय पाकार्श — ①
- कोष्ठ गति — ②

① आशय पाकार्श — वात — Movements — ①
— पित्त — Balance — ②
— कफ — क्षय — ③.

Scanned with OKEN Scanner

- लक्षण's

- दाह: — ①
- कण्डू: — ②
- स्फोट — ③
- अंगमर्द — ④
- पाकी — ⑤
- वेपन — ⑥.

② दोष गति — Through स्रोतस

• दोष moves in 03 directions —

- ऊर्ध्व गति — ① upward direction.
- अधो गति — ② downward direction
- तिर्यक गति — ③ sideways or all direc[tions]

- Another way -

- कोष्ठ गति — आभ्यन्तर
- • साध्य व्याधि ← शाखा गति — बाह्य
- • असाध्य व्याधि ← मर्म अस्थि संधि गति — मध्यम

आवरण (obstruction) Overlapping

- आवरण is obstruction of the Movement of वात
- caused by
  - पित्त — ①
  - कफ — ②
  - सप्तधातु — ③
  - त्रिमल — ④
  - पंचवात — ⑤
- Causative factor – आवरक / अवृत वायु

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

- Types of आवरण –
  - स्वातन्त्र आवरण — 22 types. — ①
  - अन्योन्य आवरण — 20 types — ②
  - मिश्रा आवरण — 08 types. — ③.

स्वातंत्र आवरण –
- पित्त – वात
- कफ – वात
- रक्त – वात
- मांस – वात
- मेद – वात
- अस्थि – वात
- मज्जा – वात
- शुक्र – वात
- अन्न – वात
- मल – वात
- मूत्र – वात
- धातु – वात

- पित्त - प्राणवायु
- पित्त - समानवायु
- पित्त - उदानवायु
- पित्त - व्यानवायु
- पित्त - अपान वायु

- कफ - P.
- कफ - S.
- कफ - U
- कफ - V
- कफ - A.

• मिश्र आवरण -

- पित्त कफ प्राण
- पित्त कफ उदान
- पित्त कफ व्यान
- पित्त - कफ समान
- पित्त कफ अपान

② अन्योन्य आवरण - 20 types

- उदान -
- समान -
- व्यान.
- अपान -
- प्राण - उदान
- समान उदान
- व्यान उदान
- अपान उदान

प्राणसमान
व्यान समान
उदान समान
अपान समान
प्राण अपान
समान अपान
व्यान अपान
उदान अपान

प्राण-
समान-
अपान-
उदान-

- सामान्य चिकित्सा –

- स्वेदन
- अभ्यङ्ग
- बस्ति
- वात अनुलोमन
- दीपन
- व्यायाम
- लघु भोजन
- उपवित चिकित्सा
- शमन चिकित्सा

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

- 5 वात –

- उदान – वमन — ①
- अपान – विरेचन — ②
- समान – शमन चिकित्सा — ③
- व्यान – वमन, बस्ति — ④.
- प्राण – अनुलोम, Acute Medical care — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

धातु प्रदोषज विकार

- धातु प्रदोषज विकार's directly co-relates with the vitiation of दोष and अग्नि.

Ref - चरक संहिता / कायचिकित्सा

- सप्तधातु

- रस — 1
- रक्त — 2
- मांस — 3
- मेद — 4
- अस्थि — 5
- मज्जा — 6
- शुक्र — 7.

- रस विकार's

- अश्रद्धा — 1
- अरुचि — 2
- पाण्डु — 3
- ज्वर — 4
- तन्द्रा — 5
- क्लैब्य — 6
- अपथ्याकाल — 7.

Dr. Saransh Dwivedi B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

② रक्त विकार — रक्तपित्त
— गुल्म
— कामला
— विसर्प
— श्वित्र
— पाम

③ मांस विकार — अर्बुद
— अधिमांस
— अलजी
— गलगण्ड
— गण्डमाल
— पुष्पबुद

③ मेद — प्रमेह
— अलीम
— अति कृष्णा
— लोम
— अन्यनिंदित प्रकार

Scanned with OKEN Scanner

④ अस्थि विकार्'s - अधि अस्थि
- अधि दन्त
- दन्त हस्था
- विवर्णता
- केश
- लोम
- नख:

⑤ मज्जा विकार's - भ्रम
- मूर्छा
- श्वास
- अंधकार (दर्शन ...)
- पर्वरुक

⑥ शुक्र विकार's - कालिब्य — ①
- शुक्र क्षीण — ②
- लघामी — ③
- बुद्धि हानी — ④
- उत्साह decreases — ⑤.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

• चिकित्सा –

- रस – सर्व लंघन औषधि
- रक्त – रक्त पित्त हर क्रिया
  - विरेचन
  - उपवास
  - रक्तमोक्षण
- मांस – संशुद्धि — ①
  - शस्त्रकर्म — ②
  - क्षारकर्म — ③
  - अग्निकर्म — ④
- मेद – मेदहर औषधि
  - स्नेहन
  - स्वेदन
- अस्थि – पञ्चकर्म
  - बस्ति
  - क्षीर
  - घृत
- मज्जा – स्वादु अम्ल
  – तिक्त अम्ल
- शुक्र – व्यायाम, शुद्धि (वमन, विरेचन)

Scanned with OKEN Scanner

लीन दोष (Stage of Excess Attachment)
(दोष + धातु)

- उत् + क्लिश = उत्क्लेशन (Agitation)
(excitement).

- उत्क्लेश्य प्रकोप्य । डल्हण ①
- स्थानात् चलितः । अरुणदत्त ②
- कोष्ठाणां स्थानात् चलनम् । अरुणदत्त ③

eg - लीन दोष in कटिग्रह कुष्ठ -

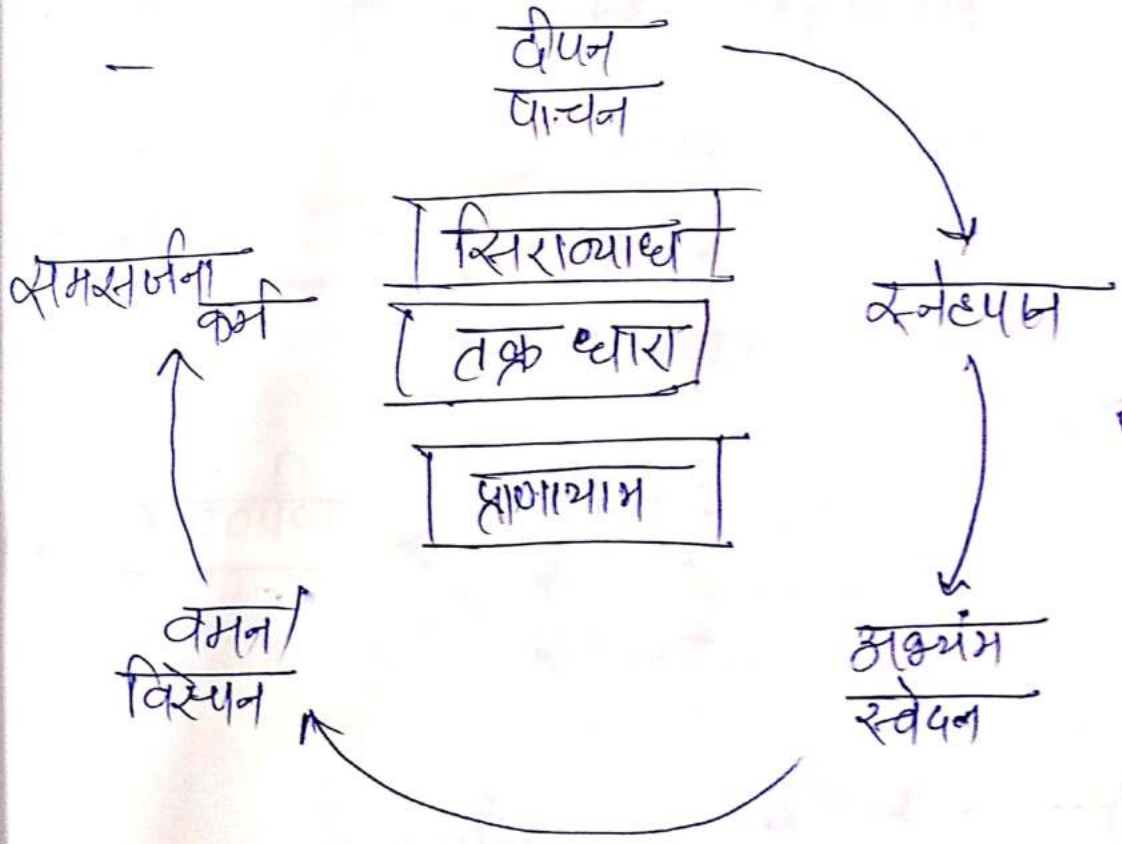

-

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Impact of क्षीण दोष in व्याधिक्षमत्व

— सहज बल — ①
— कालज बल — ②
— युक्ति कृत बल — ③

— Through Bacterial.
— बल will decrease.
— Through Auto-Immune disease.
— Through - Deficiency viruses.

—

Scanned with OKEN Scanner

द्विविधा उपक्रम

- द्विविधा उपक्रम directly co-relates with the Two Major उपक्रम in accordance with the कायचिकित्सा

- They are as follows :-

- सन्तर्पण — ① Nourishing
- अपतर्पण — ② depleting

∘ सन्तर्पण
- बृंहण — ①
- स्नेहन — ②
- स्तम्भन — ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

∘ अपतर्पण
- लंघन — ①
- रूक्षण — ②
- स्वेदन — ③

∘ लंघन
- शोधन — ①
- शमन — ②.

Scanned with OKEN Scanner

• Functions —

- स्नेहन — oleation — ①
  — Lubrication — ②
- रूक्षण — dryness. — ③
- स्वेदन — Sweating therapy — ④
- स्तम्भन — obstructing — ⑤

• लंघन
  - शोधन — ①
    - निरूहः — ①
    - वमन — ②
    - विरेचन — ③
  - शमन — ②

- शोधन — Purification therapy — ①
- शमन — Palliative Procedure — ②

- शमन — 07 types.
  - पाचन — ①
  - दीपन — ②
  - क्षुत — ③
  - तृट — ④
  - व्यायाम — ⑤
  - आतप — ⑥
  - मारुतः — ⑦

बृंहण

Pre-disposing factors

- व्याधित — (1)
- भोजन — (2)
- Alcohol — (3)
- स्त्री — (4)
- शोक — (5)
- उत्क्षतक्षता — (6)
- क्षतक्षीण — (7)
- गर्भिणी — (8)
- सूतिका — (9)
- बाल — (10)
- वृद्ध — (11)
- वातला — (12)

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

षड् विधा उपक्रम's

- षड् विधा उपक्रम's is directly co-relates with the 06 Major specific therapeutics.

- Types -

- लंघन — ①
- बृंहण — ②
- रूक्षण — ③
- स्नेहन — ④
- स्वेदन — ⑤
- स्तम्भन — ⑥

① लंघन - Fasting therapy
- Lightness to Body
- Reduces Bulk

Scanned with OKEN Scanner

- Types of लंघन therapy

- वमन —— ①
- विरेचन —— ②
- निरूह बस्ति —— ③
- नस्य —— ④
- पिपासा —— ⑤
- मारुत: सेवन —— ⑥
- आतप: —— ⑦
- पाचन —— ⑧
- उपवास —— ⑨
- व्यायाम —— ⑩

- शोधन is directly co-relates with लंघन therapy.

- obese —— ①
- strong —— ②
- वात व्याधि —— ③
- पित्त व्याधि —— ④
- रक्त व्याधि —— ⑤
- मल व्याधि —— ⑥.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

(2) बृंहण चिकित्सा

- Nourishing theraphy
- growth substantiate

- गुण's -

- गुरु — (1)
- मृदु — (2)
- बहुल — (3)
- पिच्छिल — (4)
- स्थिर — (5)
- शीत — (6)
- स्निग्ध — (7)
- स्थूल — (8)
- मन्द — (9)
- श्लक्ष्ण — (10)

③ रूक्षण चिकित्सा -

- Bringing dryness — ①
- रूक्षता — ②
- खरत्वता — ③
- Non-sliminess — ④
- Elimination of fat — ⑤
- Elimination of tissues — ⑥

गुण's -
- रूक्ष — ①
- लघु — ②
- खर — ③
- तीक्ष्ण — ④
- उष्ण — ⑤
- स्थिर — ⑥
- पिच्छिल — ⑦
- कठिन — ⑧

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

(4) स्नेहन चिकित्सा

- oilyness — (1)
- Liquification — (2)
- मार्दव — (3)
- क्लेद — (4)

• गुण —

- द्रव — (1)
- सार — (2)
- सूक्ष्म — (3)
- स्निग्ध — (4)
- पिच्छिल — (5)
- गुरु — (6)
- मन्द — (7)
- मृदु — (8)

- स्नेह द्रव्य

- स्थावर स्नेह
- जंगम स्नेह

• A/c to Actions.

- शोडंग — (1)
- शमन — (2)
- बृंहण — (3)

• A/c to Route of Administrat

- बाह्य स्नेह — (1)
- आभ्यन्तर स्नेह — (2)

Scanned with OKEN Scanner

(5) स्वेदन -

A/c to सुश्रुत

- ताप स्वेद — (1)
- उष्ण स्वेद — (2)
- द्रवा स्वेद — (3)
- उपनाह स्वेदन (4)

- Induced sweating, — (1)
- Relieves stiffness — (2)
- Heaviness — (3)
- Coldness. — (4)

- गुण's -

- उष्ण — (1)
- तिक्ष्ण — (2)
- सार — (3)
- स्निग्ध — (4)
- सूक्ष्म — (5)
- द्रवा — (6)
- स्थिर — (7)
- गुरु — (8).

- Types of स्वेदन - साग्नि स्वेद — (1)
  निरग्नि स्वेद — (2)

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

⑥ स्तम्भन चिकित्सा

- Arrest to movement of substances.
- Reduce the flow of substances.

- गुणाः -

- लघु — ①
- मृदु — ②
- श्लक्ष्ण — ③
- सूक्ष्म — ④
- द्रव — ⑤
- रूक्ष — ⑥
- स्थिर — ⑦

• स्तम्भन चिकित्सा -

- दाह — ①
- छर्दि — ②
- स्वेद — ③
- वेदना — ④
- शूलादि — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

शोधन - शमन - निदान परिमार्जन

- शोधन — वमन — ① कफ दोष
  - विरेचन — ② पित्त दोष
  - बस्ति — ③ त्रिदोष
  - शिरो विरेचन — ④ Head Purification.
  - रक्त मोक्षण — ⑤ Blood letting

- शोधन - 03 Process in पंचकर्म

- पूर्वकर्म — ①
- प्रधान कर्म — ②
- पश्चात कर्म — ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

① पूर्वकर्म — पाचन कर्म — ①
  - स्नेह कर्म — ②
  - स्वेदन कर्म — ③

② प्रधान कर्म - Expulsion of दोष from mouth in the form of vomiting.
- same as all.

Scanned with OKEN Scanner

○ पश्चात कर्म — संसर्जन कर्म
— रसायनादी कर्म
— शमन therapy
— पथ्य
— अपथ्य

○ शमन therapy —

— पाचन
— दीपन
— क्षुत निग्रह
— पिपास
— व्यायाम
— अताप सेवन
— मारुत: सेवन

— निदान परिमर्जन — (Avoidance of diseases causes and aggravating factors
— Avoid the known diseases.
— causing factors
— Aggravating factors of व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

औषध मात्रा, सेवन काल and अनुपान

- The time of Medication is called औषध सेवन काल

Ref - चरक

- 11 types of औषध काल's

- अभक्त — ① empty stomach
- पूर्व भक्त — ② Pre stomach
- मध्य भक्त — ③ B/w Meals.
- सभक्त — ④ along with आहार
- पश्चात भक्त — ⑤ Post-Prandial
- सामुद्ग — ⑥ Pre-Post
- भक्तांतर — ⑦ Repeatedly b/w Meals.
- सग्रास — ⑧ every byte of Meals.
- ~~ग्रास~~ ग्रासान्तर — ⑨ two bites
- मुहुर्मुहु — ⑩ Frequently
- निशा — ⑪ Before sleep.

Dr ... Dwivedi B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

— औषध काल Rules —

- empty stomach — (1)
- दीपनीय औषध — (2)
- पाचन औषध — (3)
- अनुलोमक औषध — (4)
- Sour औषध — (5)
- अम्ल औषध — (6)
- क्षार औषध — (7)
- लौह औषध — (8)
- शंख औषध — (9)
- आसव अरिष्ट — (10)
- इच्छा भेदी — (11)
- आर्तव स्राव — (12)
- मूत्राल औषध — (13)
- परिणाम शूल — (14)
- निद्राशान औषध — (15)

• औषध मात्रा —

- औषध मात्रा divided into Major factors —
- A/c to Adult — ①
- A/c to children — ②
- A/c to oldage. — ③
- A/c to weak Person — ④

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

	औषध	⟷	Dosage
①	रस, भस्म लौह, पिष्टी	⟶	1-3 रत्ति (125mg)
②	पर्पटी	⟶	2-4 रत्ति (250 mg)
③	वटी	⟶	500mg - 01gm.
④	स्वरस	⟶	1 to 2 पल
⑤	क्वाथ	⟶	1 पल

Scanned with OKEN Scanner

⑥ चूर्ण	→	1 कर्ष
⑦ अवलेह	→	1 to 2 पल
⑧ घृत	→	1 पल
⑨ आसव	→	1 पल

① अनुपान – अनुपान is explained in all संहिता of बृहत्त्रयी

– अनुपान + आहार/औषध

– अनुपान वर्ग — ①
– मात्र वर्ग — ②
– विरुद्ध विज्ञान — ③
– अन्नपान विधि — ④

① अनुपान A/c to various types. –

– A/c to आहार.
– A/c to रोगी
– A/c to रोग

so, these are major types of अनुपान –

① A/c to आहार – स्नेहपान — ①
– दधी — ②
– मांस — ③
– हरितकी — ④
– लहसुन — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

② A/c to रोगी – कृशा — ①
– स्थूल — ②
– क्षीण — ③
– बल — ④
– वृद्ध — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

(8) अनुपान A/c to रोग —

- वात व्याधि —— (1)
- पित्त व्याधि —— (2)
- कफ व्याधि —— (3)
- सन्निपातज व्याधि —— (4)
- रक्त पित्त —— (5)
- धातु क्षयज —— (6)
- शूल —— (7)
- ज्वर —— (8)
- ग्रहणी —— (9)
- अतिसार —— (10).

पथ्य / अपथ्य

- पथ्य is directly co-relates with the favourable treatment after the व्याधि चिकित्सा in accordance with the कायचिकित्सा

- Factors -
  - मात्र — ①
  - काल — ②
  - संस्कार — ③
  - भूमि — ④
  - देह — ⑤
  - दोष — ⑥

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

- A/c to सुश्रुत - पथ्य classified into 12 types.
  - शीत आहार — ①
  - उष्ण आहार — ②
  - स्निग्ध आहार — ③
  - रूक्ष आहार — ④

Scanned with OKEN Scanner

- द्रवा आहार —— (5)
- शुष्क आहार —— (6)
- एक काल आहार —— (7)
- द्वि काल आहार —— (8)
- औषध युक्त आहार —— (9)
- मात्रा हीन आहार —— (10)
- प्रशमना कर आहार —— (11)
- स्वास्थकर आहार —— (12)

• अपथ्य – आहार that accumulates and aggravates दोष's and doesnot do cleansing of दोष's is always अपथ्य.

- Total 18 types of अपथ्य आहार -

अपथ्य आहार – (18)

- देश विरुद्ध — (1)
- काल विरुद्ध — (2)
- अग्नि विरुद्ध — (3)
- मात्रा विरुद्ध — (4)
- सात्म्य विरुद्ध — (5)
- दोष विरुद्ध — (6)
- संस्कार विरुद्ध — (7)
- वीर्य विरुद्ध — (8)
- कोष्ठ विरुद्ध — (9)
- अवस्था विरुद्ध — (10)
- क्रम विरुद्ध — (11)
- परिहार विरुद्ध — (12)
- उपचार विरुद्ध — (13)
- पाक विरुद्ध — (14)
- संयोग विरुद्ध — (15)
- हृदय विरुद्ध — (16)
- सम्पाद विरुद्ध — (17)
- विधि विरुद्ध — (18).

अपथ्य

- disease caused due to विरुद्ध आहार

- नपुंसकता — (1)
- अंधत्वा — (2)
- उन्माद — (3)
- मूर्छा — (4)
- पाण्डु — (5)
- किलास — (6)
- ग्रहणी — (7)
- पीनस — (8)
- जलोदर — (9)
- विसर्प — (10)

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा —

- वमन — ①
- विरेचन — ②
- उपचार — ③
- रसायन — ④.

Scanned with OKEN Scanner

मनस and मानस रोग चिकित्सा

- मन्यते ज्ञायते अनेन इति मनः ।
- Factors
  - चिंता — ①
  - हृदय — ②
  - सत्व — ③

• Location of मनस -
  - हृदय - Heart — ①
  - मस्तिष्क - Brain — ②

• गुण's of मनस -
  - अणुत्वम् — ①
  - एकत्वम् — ②

Dr. Saransh Dwivedi

- अणुत्वम् – Minute in Nature — ①
  - More fast — ②
  - Very High speed — ③
  - Fast sensory perception — ④

- एकत्वम् – Perceives only one sense — ①
  - Perceptions Happen very rapidly — ②
  - Perceives one object at a time — ③

• कर्म's of मनस –

- मनस is directly controller of all cognitive and connotative organs.

– मनस controls the functions of the Motor organs It is called अतीन्द्रिया.

– इन्द्रियाभिग्रहः कर्म मनसः स्वस्य निग्रहः।

Scanned with OKEN Scanner

- There are 04 Main functions of मनस:

- इन्द्रियाभिग्रह: — (1)
- स्वनिग्रह: — (2)
- ऊह — (3)
- विचार — (4)

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

इन्द्रियाभिग्रह: — Perception control — (1)
- Motor control — (2)
- sensory control — (3)
- Motor organs — (4)

स्वनिग्रह: — concentration control — (1)
- Distractions control — (2)
- controls over self — (3)

ऊह — understand controls — (1)
- Inference controls — (2).

विचार :— discrimination controls — (1) Impossibility control.
- Possibility controls — (2)
- उपक्षा — (3)

मनस objects -

- चिंता —— (Thinking)
- विचार —— (consideration)
- ऊह —— (speculation)
- ध्यान —— (concentration)
- इन्द्रिय निग्रह —— (control of senses)
- संकल्प —— (determination)
- स्वनिग्रह —— (self-control).

गुण's of मनस

- सत्व — ①
- रजस — ②
- तमस — ③.

Properties of मनस:

- इच्छा — ①
- द्वेषा — ②
- सुख — ③
- दुःख — ④.

तमो गुण.
रजो गुण

सत्व भाव's of मनस

- भक्ति —— (1)
- शील —— (2)
- शौच —— (3)
- द्वेष —— (4)
- मोह —— (5)
- स्मृति —— (6)
- त्याग —— (7)
- शौर्य —— (8)
- भय —— (9)
- क्रोध —— (10)
- तन्द्रा —— (11)
- उत्साह —— (12)
- तीक्ष्णता —— (13)
- मृदुता —— (14)
- गंभीरता —— (15)
- अस्थिरता —— (16)
- [illegible] —— [illegible]

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

• Causative factors of मनस:

- काम — 1
- क्रोध — 2
- लोभ — 3
- मोह — 4
- ईर्ष्या — 5
- चिंता — 6
- भय — 7
- हर्ष — 8.

• Classification of मानसिक रोग:

- मनो अधिष्ठान मनो विकार — 1
- उभय अधिष्ठान — 2
- नान आलमन मनो विकार — 3

• Clinical Examination

- मनस — 1
- स्मृती — 2
- बुद्धी — 3
- ज्ञान — 4
- भक्ति — 5
- शील — 6
- चेष्टा — 7
- अचार — 8.

Scanned with OKEN Scanner

सामान्य चिकित्सा of मानस: रोग's :-

- दैवव्यपाश्रयं —— ①
- युक्तिव्यपाश्रय —— ②
- सत्वावजय —— ③

1) **दैवव्यपाश्रयं** - Human body is the union of
- Body (शरीर) —— ①
- Mind (मनस:) —— ②
- Soul (आत्मा:) —— ③

- दैवव्यपाश्रयं चिकित्सा is to clear the दैव प्रभाव of the disease (व्याधि) is connected with Previous Birth.

Dr. Saransh Dwivedi B.Sc BAMS

Types -
- मन्त्र —— ①
- औषधि's —— ②
- मणि धारण —— ③
- मङ्गल —— ④
- बलि —— ⑤
- उपहार —— ⑥
- होम —— ⑦
- नियम —— ⑧
- प्रायश्चित: —— ⑨
- प्रणिपात —— ⑩
- तीर्थगमन —— ⑪

Scanned with OKEN Scanner

(२) सत्वावजय चिकित्सा –

- The word sattvavajaya means winning over the मनस:

– सत्वावजय चिकित्सा was Introduced by आयुर्वेद to treat the Mental conflict.

- Factors – मनो निग्रह — control of मनस:
  - Desire ——— (२)
  - Determination ——— (3)
  - Dedication ——— (4).

– मनो निग्रह Achieved by –

- चिन्त्य: — Regulation the thoughts process –
- विचार्य — By Replacing the ideas ——— (२)
- ऊह्य — Presumptions ——— (3)
- ध्येय — Polishing the objectives ——— (4)
- संकल्प — Proper guidance ——— (5)

Scanned with OKEN Scanner

- Avoiding Pragya paradha – Avoidance of volitional transgression.

- Importance in सद्वृत्त are :-

- स्मृति (Recollection) — ①

- सद्वृत्त (observation of Rules of good conduct) — ②

- Retention of मानसिक वेग's — ③

- आचार्य चरक on Methods —

  - ज्ञान — ①
  - विज्ञान — ②
  - धैर्य — ③
  - समाधि — ④.

The term विज्ञान and ज्ञान are Most Probably used in the sense of आत्म ज्ञान (Knowledge of Existence and soul)

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- धैर्य is like a supporting therapy through counselling.

- controlling of धारणीय वेग्स -

Like - राग — ①
- द्वेष — ②
- क्रोध — ③
- बाध — ④
- चिंता — ⑤.

- युक्ति व्यापश्रय चिकित्सा -

- It includes. -
- द्रव्याभूता चिकित्सा — ①
- अद्रव्याभूता चिकित्सा — ②

- द्रव्याभूता चिकित्सा < शोधन — ①, शमन — ②.

Scanned with OKEN Scanner

शोधन चिकित्सा -

- मानसिक disorders are the result of dis arranged त्रिदोष's of शरीर
- रजस and तमस of मनस:
- शोधन therapies are Indicated to Bring Homeostasis of Body.

- वमन, विरेचन
- बस्ति → Advised Acc to दोष's
- नस्य

Treatment of मानसिक रोग's -

- पिचु धारण — ①
- क्षीरबल तैल — ②
- शिरो बस्ति — ③
- शिरोधारा — ④
- नस्य कर्म — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- शमन चिकित्सा -

- This includes - आहार, विहार and औषध

• **आहार** - क्षीर ——— ①
- घृत ——— ②
- Jack fruit ——— ③
- काकमाची ——— ④
- Meat of snakes ——— ⑤
- Meat of tortoise ——— ⑥
- Peacock ——— ⑦.

• **विहार** - चन्द्र दर्शन ——— ①
- मनो अनुकूलता ——— ②
- Music therapy ——— ③
- योग ——— ④
- प्राणायाम ——— ⑤.

• **औषध** - मेध्य रसायन द्रव्य ——— ①
- Treatment of मानसिक रोग ——— ②.

Scanned with OKEN Scanner

• रस औषधि -

- शिव गुटिका — ①
- प्रताप लंकेश्वर रस — ②
- उन्माद गज केसरी — ③

गुटी - वटि -

- मनसः मित्र वटकम — ①
- ब्राह्मी वटि — ②
- धन्वन्तरम् गुटिका — ③

घृत - कल्याण घृतम् — ①
- पंचगव्य घृत — ②
- ब्राह्मी घृत — ③
- स्वरस घृतम् — ④
- बृहत घृतम् — ⑤.

तैल - क्षीरबला तैल — ①
- ब्राह्मी तैल — ②
- हिमसागर तैल — ③.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

K-C=T

Scanned with OKEN Scanner

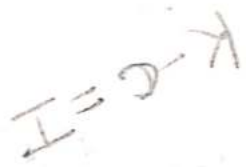

• Nutritional Deficiency disorders •

- Nutrition are the diet rich vitamins and minerals in the form of Macro-Nutrients and Micro Nutrients.

- **Factors** -

- Macro Nutrients —— ①
- Micro Nutrients —— ②
- Fat soluble Vitamins —— ③
- water soluble Vitamins —— ④.

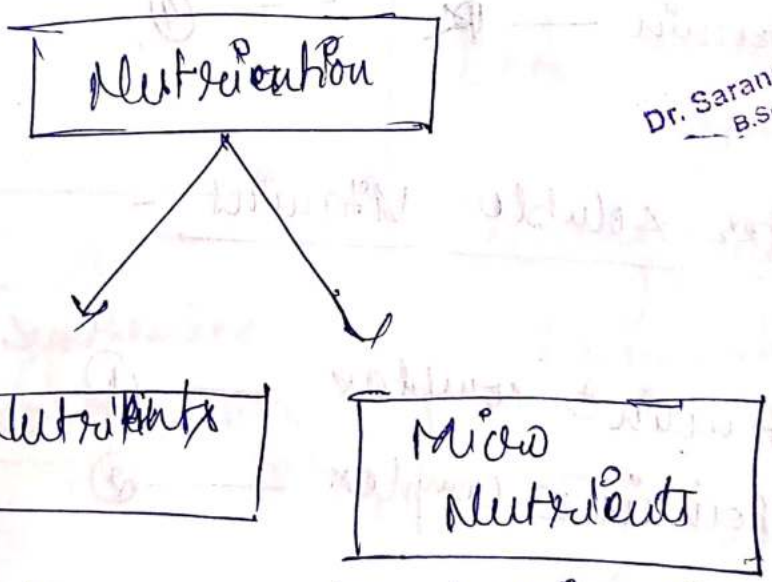

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

① Micro-Nutrients - Vitamins deficiencies
② Macro-Nutrients - carbohydrates, Fats and Proteins.

Scanned with OKEN Scanner

① Micro Nutrients -

classified into two Major types. -

- Fat soluble Vitamins — ①
- water soluble Vitamins — ②

① Fat soluble Vitamins. -

- Vitamin - A. — ①
- Vitamin - D. — ②
- Vitamin - E — ③
- Vitamin - K. — ④

② Water soluble Vitamins. -

- Vitamin B complex — ①
- Vitamin C complex — ②.

Scanned with OKEN Scanner

Fat Soluble Vitamins –

Vitamins	Deficiencies Signs
Vitamin-A →	Night Blindness. Retarded growth
Vitamin D →	Rickets, Poor eruption of teeth, Osteomalacia, calcium ret.
Vitamin E →	Reproductive failure, Brown Bowel Syndrome.
Vitamin K → K_2 – Bacteria synthesized K – co-factor of carboxylation RKM	Clotting factor. Haemorrhage

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

② Water soluble Vitamins:

① — B-complex —

- — Vitamin — B_1 ——— ①
- — Vitamin — B_2 ——— ②
- — Vitamin — B_3 ——— ③
- — Vitamin — B_6. ——— ④
- — Vitamin — B_{12} ——— ⑤

① Vitamin B_1 — Thiamin ——— ①

② Vitamin B_2 — Riboflavin ——— ②

③ Vitamin B_3 — Niacin ——— ③

④ Vitamin B_6 — Pyridoxine ——— ④

⑤ Vitamin B_{12} — Hydroxy-cobalamin ⑤

② — C- Vitamin — Scurvy. — Bleeding gums.
Ascorbic Acid — Haemorrhage.

Scanned with OKEN Scanner

- सम्प्राप्ति — निदान सेवन — ①
↓
स्रोतस अवरोध — ②
↓
वात वृद्धि — ③
↓
Increase मेद धातु — ④
↓
विषम अग्नि — ⑤
↓
स्थौल्य occurs. — ⑥

- Predominant दोष — कफ दोष — ①
- दूष्य — मेद धातु — ②
- स्रोतस — मेदोवाह स्रोतस — ③.

- चिकित्सा — निदान परिवर्जन — ①
  - लंघन — ②
  - व्यायाम — ③
  - समशोधन — ④
  - अल्प आहार सेवन — ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Inorganic Micro Nutrients

- calcium — Milk and Milk products.
- phosphorus — dry foods.
- Magnesium — Nuts, grains.
- Iron — Liver, Red Meat
- zinc. — Seafood, Meat.

- Ayurvedic concept

- स्थौल्य - निदान - कफकर आहार — ①
  - विरुद्ध आहार — ②
  - दिवास्वप्न — ③
  - रात्री जागरण — ④
  - अव्यायाम — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

• Management of वार्धक्यजन्य विकार's •

- वृद्ध अवस्था जन्य व्याधि's

- Age – आचार्य चरक – 60 to 100 yrs. (वृद्धावस्था)
  – आचार्य सुश्रुत – Above 70 yrs (वृद्धावस्था)

- Ref – कायचिकित्सा / चरक संहित

- Factors –

- बल क्षय —— ①
- इन्द्रिय क्षय —— ②
- उत्साह क्षीण —— ③
- धातु क्षय —— ④
- वीर्य क्षीण —— ⑤
- वलय —— ⑥
- पालित्य —— ⑦
- खालित्य —— ⑧
- कास —— ⑨
- श्वास —— ⑩

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा – सत्वा चिकित्सा — ①
  - मैध्य रसायना — ②
  - शुद्ध आहार-विहार — ③
  - अभ्यंग — ④
  - स्मृति सागर रस — ⑤
  - च्यवनप्राश — ⑥
  - आरोग्य वटी — ⑦
  - अश्वगन्धा चूर्ण — ⑧
  - बलरिष्ट — ⑨
  - शिरबल तैल — ⑩
  - कल्याणक घृत — ⑪.

- Moder-co-relation –
  - Age-Related disorder
- Factors – Genetic factors — ①
  - Nutritional factors — ②
  - Environmental factors — ③

Scanned with OKEN Scanner

- Age Related Systems. –

- Central Nervous system —— ①
- Respiratory system. —— ②
- Cardio Vascular system —— ③
- Renal system. —— ④.

① Central Nervous System –

- Neural loss. —— ①
- Abnormal Vision —— ②
- Cataract —— ③
- Muscle weakness. —— ④.

② Respiratory system

- oxygen loss —— ①
- expiration loss —— ②
- Inspiration loss —— ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

③ Cardiovascular System. -

- Exercise Reduced — ①
- Postural Hypotension — ②
- Heart Rate decreases — ③
- Dilation of Aorta — ④

④ Renal System -

- Nephron loss — ①
- GFR Reduced — ②
- Tubular function Reduced — ③.

- Other Age Related Problems -

- osteoporosis — ①
- Falls — ②
- Dizziness — ③
- Delirium — ④.

• Treatment -

- Physiotherapy — ①
- अभ्यंग स्वेद — ②
- Environmental therapy — ③
- कटि बस्ति — ④
- शमन — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

इन्द्रिया प्रदोषज विकार's

- इन्द्रिय-प्रदोषज विकार's are directly co-relates with the इन्द्रिय's and दोष's.
- Ref – आचार्य चरक / कायचिकित्सा
- Factors

- उपताप — ①
- उपघात — ②
- इन्द्रिया प्रवृति — ③
- इन्द्रिया यथा प्रवृति — ④

} इन्द्रिया प्रदोषज विकार's

चिकित्सा

- त्रिदोष शामक चिकित्सा — घृतपान
- निदान परिवर्जन — सौवीर अञ्जन
- उष्ण चिकित्सा — नस्य with अणु तैल
- बस्ति चिकित्सा
- कर्ण पूर्ण

Dr. Saransh Dwivedi B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- इन्द्रिया co-relations with प्रयोजन विकार

- कर्मेन्द्रिया — ①
- ज्ञानेन्द्रिय — ②
- उभयात्मक इन्द्रिय — ③.

- कर्मेन्द्रिया —
- वाक् — ①
- पाणी — ②
- पायु — ③
- उपस्था — ④
- गुद — ⑤

- ज्ञानेन्द्रिया
- शब्द
- स्पर्श
- रूप
- रस
- गन्ध

- उभयेन्द्रिया
- मनस (मनस + आत्मा)
- आत्मा

Scanned with OKEN Scanner

Alzheimer Disease.

- Also called Senile Dementia
- A progressive diseases that destroy memory and mental functions.

- Factors -
  - Atrophic ——— ①
  - Cerebral cortex ——— ②
  - Hippocampus. ——— ③
  - Senile plaques. ——— ④
  - Neuro fibrial ——— ⑤

- Causative factors -
  - Genetic factors ——— ①
  - Familial cases. ——— ②
  - Inheritance ——— ③
  - polygenic Inheritance ——— ④.

Stages

Stage 01 — Basic Symptoms.
Stage 02 ← Bright forgetness
Stage 03 ← Difficulties
Stage 04 — Memory loss.
Stage 05 — Severe symptoms
Stage 06 ← Lack of Physical control

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Clinical features

- Impairment — ①
- Memory loss. — ②
- Apraxia. — ③
- Visual deformity — ④
- Depression — ⑤

Management

- donepezil — ①
- Galantamine — ②
- Rivastigmine — ③
- Environmental therapy — ④.

Scanned with OKEN Scanner

• Sleep disorders •

- sleep disorder is directly co-relates with the old Age diseases.
- Ref - कायचिकित्सा / आचार्य चरक
- आयुर्वेद concept
  - अनिद्रा — ①
  - निद्रा — ②
  - अल्प निद्रा — ③
  - तीव्र निद्रा — ④
  - बहुनिद्रा — ⑤
  - दिवास्वप्न — ⑥
- Modern concept -
- Causative factors -
  - sleep wake cycle changes — ①
  - chronic disease — ②
  - caffeine / stimulants — ③
  - Anxiety — ④

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

• चिकित्सा / Treatment

- अल्प आहार सेवन
- Avoid stimulants
- Do व्यायाम Regular
- शमन चिकित्सा
  - मेध्य रसायना — (1)
  - तक्र धार — (2)

- सत्वाजय चिकित्सा

- प्राणायाम — (1)
- ध्यान — (2).

General Debility (दौर्बल्य)

- General debility is directly co-relates with the weakness..

- Factors -

- Anaemia. — ①
- thyroid diseases. — ②
- Lack of sleep. — ③
- Heart failure — ④
- Vit B_{12} def. — ⑤
- Diabetes. — ⑥
- chemotheraphy — ⑦

• Symptoms -

- Pain — ①
- fatigue — ②
- Muscular Athrophy — ③
- Weight loss — ④
- Memory deficiency — ⑤
- hearing Problems. — ⑥.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Investigations

- CBC – complete Blood count — ①
- Blood glucose level — ②
- Thyroid function test — ③
- ECG — ④
- CT scan — ⑤
- MRI — ⑥.

- आयुर्वेद concept –

- General debility is directly co-relate with the दौर्बल्य

- causes –
  - व्याधि कर्षणा — ①
  - धातु क्षय — ②
  - धातु अपोषण — ③
  - वात प्रकोप — ④
  - स्रोतस अवरोध — ⑤
  - बल वृद्धि भाव — ⑥.

- दौर्बल्य व्याधि -

- ज्वर — (1)
- छर्दि — (2)
- ग्रहणी — (3)
- रक्तपित्त — (4)
- वातव्याधि — (5)
- श्वास — (6)
- कास — (7)
- प्रमेह — (8)
- अतिसार — (9).
- अंगमर्द — (10).

• चिकित्सा — सात्म्य आहार
- शुद्ध आहार
- शाली सेवन
- मांस रस सेवन

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc. BAMS

• उपक्रम — उद्वर्तन
- परिषेक
- अभ्यंग
- स्वेदन
- बस्ति
- प्रतिमार्श नस्य

Scanned with OKEN Scanner

• शमन चिकित्सा –

– वटी — ①
– अरिष्ट — ②
– आसव — ③
– कषाय — ④
– रसायन / लौह — ⑤.
– तैल — ⑥

Genetics, Environmental and Iatrogenic factors

① Genetics – Genetics is directly co-relates with the genes and chromosomes pattern.

- Factors -

- Genes ——— ①
- chromosomes ——— ②
- gametes ——— ③
- Mutation ——— ④
- transcription ——— ⑤
- Messenger ——— ⑥

∘ Types – Five(5) Modes of genetic Inheritance.

- Autosomal Dominant ——— ①
- Autosomal Recessive ——— ②
- X-linked Inheritance ——— ③
- Mitochondrial Inheritance ——— ④
- Epigenetic Inheritance ——— ⑤

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

(1) Autosomal Dominant Inheritance

— diagram

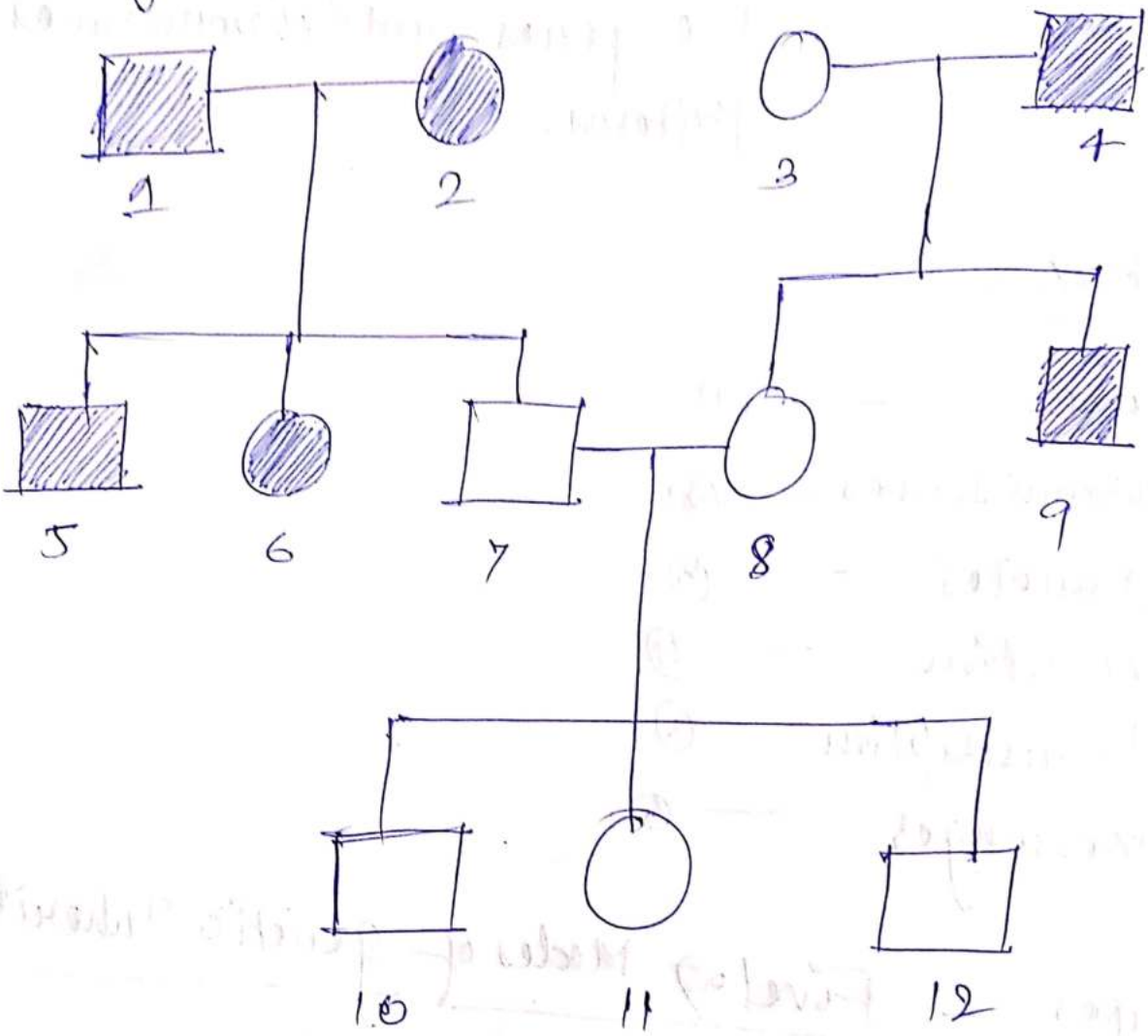

— Two copies of a single gene ——— (1)
— Half Individual → Affected chromosomes ——— (2)
— Half Individual → Normal chromosomes ——— (3).

(2) Autosomal Recessive Inheritance

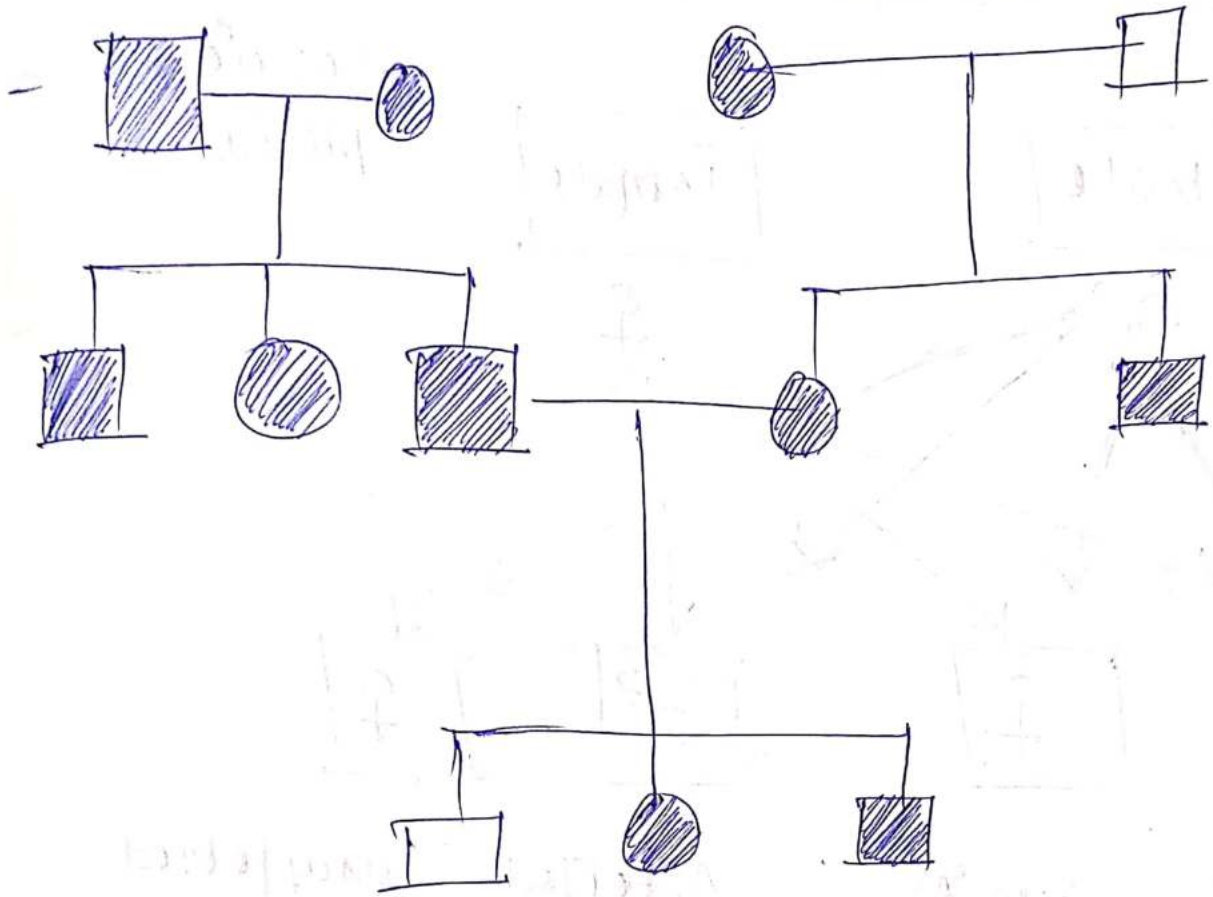

- Both Alleles of gene must be mutated
- one allele from each Parent
- Increase the degree of Inbreeding
- eg - cystic fibrosis.

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

③ X-linked inheritance –

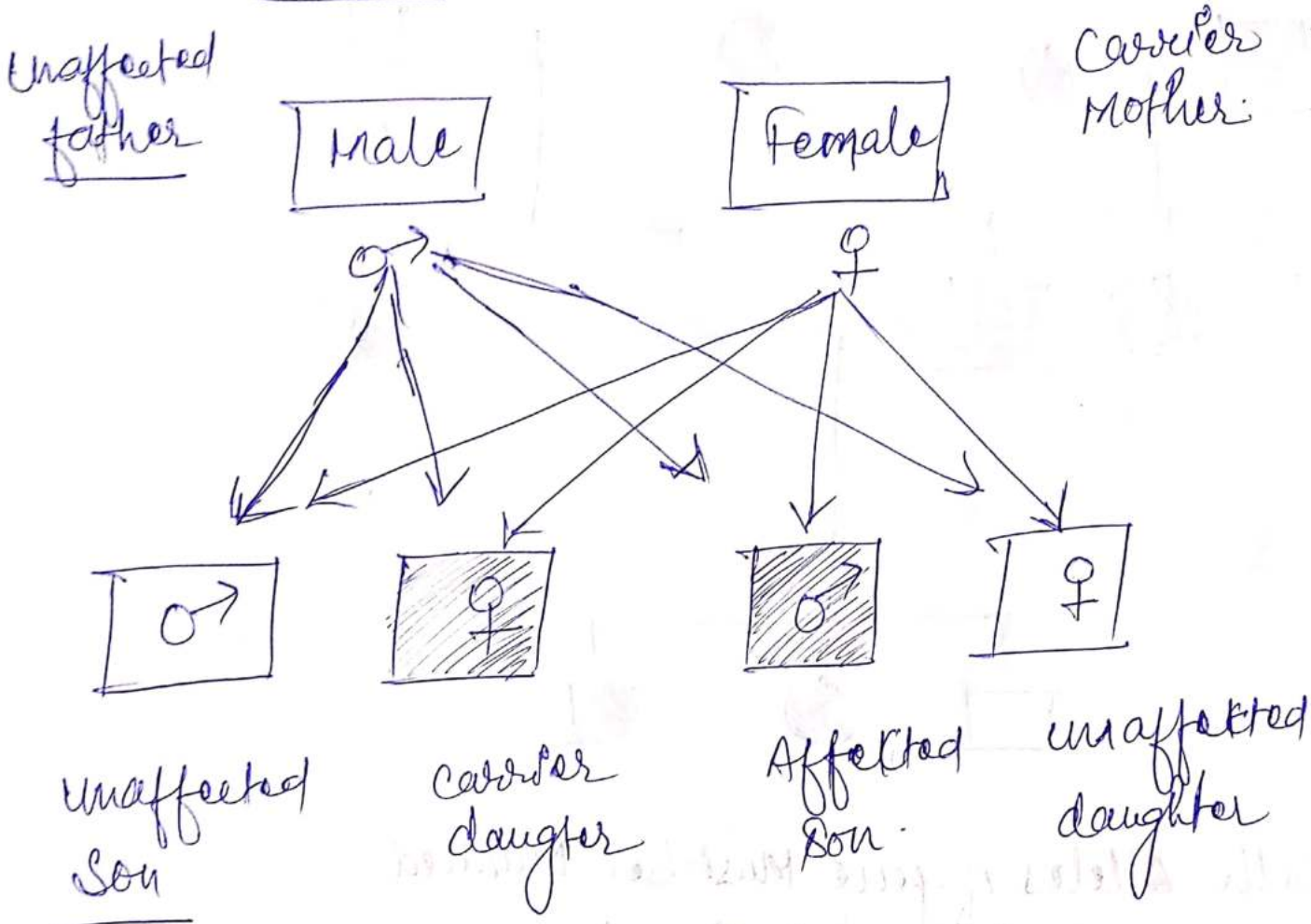

e.g. - Muscular dystrophy.

Male – X-chromosome — ①

Female — XX — chromosomes — ②.

- caused by mutation of X-chromosomes.

Scanned with OKEN Scanner

Mitochondrial Inheritance

- Mitochondrial genes are inherited only from the mother.

- Passed from mother to all childrens —— ①
- Son will Not pass it on —— ②
- Daughters will pass it on —— ③

Dr. Saransh, B.Sc, BAMS

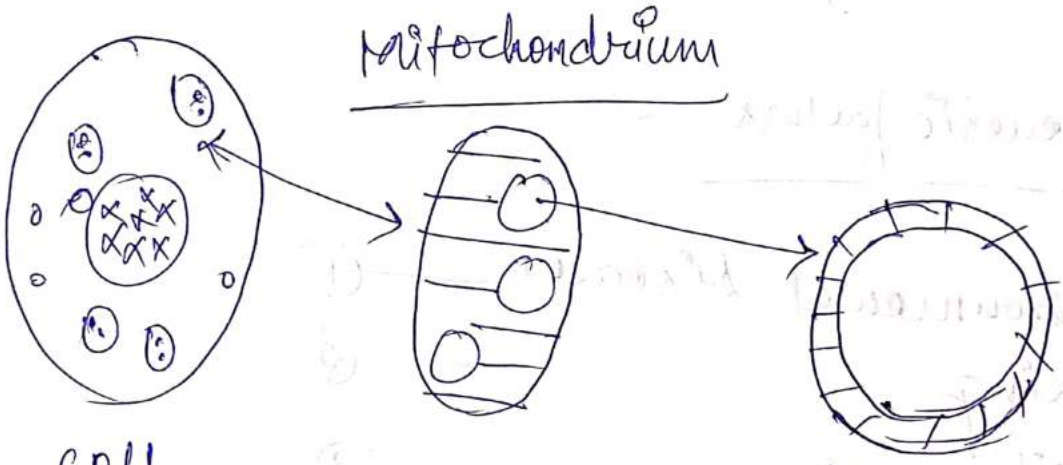

Scanned with OKEN Scanner

⑤ Epigenetic Inheritance — — Paternal alleles — Active
— Maternal alleles — Silence

— Major categories —

— Inborn errors ——— ①
— Neurological disorders ——— ② eg - Duchenne Syndrome
— connective tissue disorders ——— ③
— Malformations ——— ④
— familial syndrome ——— ⑤

— Other genetic factors —

— Environmental Diseases. ——— ①
— Smoking ——— ②
— Obesity ——— ③
— Poverty ——— ④
— Radiation
— Frost Bite ——— ⑤
— Heart stroke ——— ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

Iatrogenic factors.

- Iatrogenic diseases caused by Medical Examination or treatment.

- आयुर्वेद — (औषध प्रतिक्रिया व्यापक's)
- overdose — ①
- Predisposition — ②
- Pharmacologic Response — ③
- Drug Interactions — ④
- unknown factors — ⑤.

- Types -
  - clinical — ①
  - social — ②
  - cultural — ③

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Examples.

Drug Name	Effect (Adverse)
- Aspirin →	Peptic ulcer
- NSAIDS →	Gastritis.
- Anaesthesia →	Shock
- Penicillins →	urticaria.
- Coated tablets →	Ulcer.

- Treatment

- Symptomatic Management — ①
- Drug stopage — ②.

Scanned with OKEN Scanner

• Allergy •

- Allergy is directly co-relates with the foreign substances.
- A condition in which immune system Reacts Abnormally to foreign substances.

- Common types -
  - Drug allergy — ①
  - Food Allergy — ②
  - contact Dermatitis — ③.

• Predisposing factors -
  - Family History — ①
  - Genes — ②
  - Bacterial — ③
  - Viruses. — ④
  - Pollutants — ⑤
  - Smoking — ⑥.

Dr. [illegible] Dwivedi
B.Sc BAMS

Scanned with OKEN Scanner

- Types

— Immediate —— ①
— Cytotoxic —— ②
— Immune complex Mediated —— ③
— Hypersensitivity Rxn. —— ④

- Common allergic Diseases

— Urticaria
— Atopic Dermatitis.
— Allergic Rhinitis
— Asthma
— Food allergy
— Drug allergy
— Insect allergy
— Anaphylaxis

- Management

— Anti-histamines
— corticosteroids.
— Antigen therapy.
— Intra Muscular Adrenaline
— Intra Muscular Antihistamines

Dr. Saransh Dwivedi
B.Sc, BAMS.

Scanned with OKEN Scanner